twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 27 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 251, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

आतंकी संचार-नशे की समस्या से निपटने की तैयारी

शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा के कई मुद्दों पर हुआ मंथन

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके। गृह मंत्री ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की।

राष्ट्रीय सुरक्षा के कई मुद्दों पर हुआ मंथन

गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इस सम्मेलन में देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्र के हितों के खिलाफ रहने वाले बाहरी तत्वों की भूमिका और मादक पदार्थों के व्यापार में उनकी संलिप्तता सहित उनके घरेलू संबंधों के मुद्दे पर मंथन हुआ। इनमें आतंकी समूहों द्वारा इस्तेमाल की जानी वाली एन्क्रिप्टेड संचार ऐप्स और अन्य नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल से पैदा हुई चुनौतियों पर बात हुई। साथ ही भीड़ प्रबंधन, निर्जन द्वीपों की सुरक्षा के मुद्दे पर बात हुई।

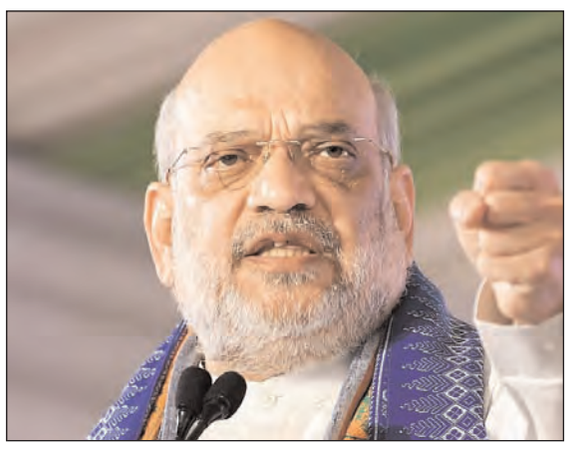

कारगिल विजय दिवस: राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने वीर सपूतों को नमन कर दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया

नई दिल्ली/एजेंसी

कारगिल युद्ध के 26वें विजय दिवस के मौके पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने वीर सैनिकों को याद करते हुए उनके साहस को नमन किया। इन नेताओं ने कहा कि देश के बहादुर सैनिकों के शौर्य ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आपेशन विजय में सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस पर देश पर प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए इस दिन को जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विजय दिवस पर सैनिकों के बलिदान को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरित करने वाला बताते हुए देशवासियों को कारगिल विजय दिवस की ढेरों शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर को देशवासियों को मां भारती के उन वीर सपूतों के अप्रतिम साहस और शौर्य का स्मरण करने का दिन बताया, जिन्होंने देश के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए जीवन समर्पित कर दिया। मातृभूमि के लिए मर-मिटने का उनका जज्बा हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कारगिल विजय दिवस को देश के वीर जवानों के गौरव और विजयगाथा का अविस्मरणीय दिन बताते हुए कहा कि वर्ष 1999 में हमारे जवानों ने ह्यऑपरेशन विजयह्ण से दुश्मनों को घुटनों पर लाकर, अदम्य साहस व पराक्रम की अमिट मिसाल पेश की। उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दीं। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र आपके त्याग व बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा। गडकरी ने देश के जवानों के अतुलनीय शौर्य और साहस की गौरव गाथा को याद करते हुए कहा कि भारत के स्वाभिमान की विजय पताका फहराने वाले वीर जवानों की अतुलनीय शौर्य एवं साहस से पूर्ण गौरवगाथा के स्वर्णिम पृष्ठ कारगिल विजय दिवस की सभी को शुभकामनाएं। उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर वीर जवानों को नमन किया।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना एक अगस्त से होगी लागू

रोजगार संबद्ध प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना 1 अगस्त, 2025 से "पीएम विकसीत भारत रोजगर योजना (पीएम-वीबीआरआई)" के रूप में लागू होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने रोजगार लिंक्ड इंसेंटिव (ईएलआई) स्कीम को पहले ही मंजूरी दे दी है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को अपनी स्वीकृति दी थी।

99,446 करोड़ रुपये के परिव्यय वाली पीएमवीबीआरवाई का लक्ष्य 2 साल की अवधि में इस योजना के तहत देश में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगारों के सृजन को प्रोत्साहित करना है।

आईआरसीटीसी को खाने को लेकर मिली 6000 से शिकायतें: रेल मंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा को बताया कि लगभग 89 प्रतिशत ट्रेन टिकट ऑनलाइन बुक किए जा रहे हैं। यात्रियों के लिए आरक्षित ट्रेन टिकट बुक करने के दो विकल्प हैं। इनमें ऑनलाइन या कंप्यूटरीकृत पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) काउंटरों के माध्यम से टिकट बुकिंग शामिल हैं। 2.5 करोड़ से अधिक यूजर आइडी को निष्क्रिय कर दिया

रेल मंत्री ने लिखित उत्तर में बताया, टिकट बुकिंग सिस्टम में गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आइआरसीटीसी) ने हाल ही में 2.5 करोड़ से अधिक यूजर आइडी को निष्क्रिय कर दिया है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे में आरक्षित सीटों की मांग का पैटर्न पूरे साल एक जैसा नहीं रहता।

लोकप्रिय मार्गों पर ट्रेनों में आमतौर पर भीड़ होती है

लोकप्रिय मार्गों पर ट्रेनों में आमतौर पर भीड़ होती है। अन्य ट्रेनों में आमतौर पर सीटें उपलब्ध रहती हैं। वैष्णव ने कन्फर्म टिकट की उपलब्धता में सुधार, पारदर्शिता के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची की स्थिति की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है। अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए रेलवे विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित करता है। अन्य प्रश्न के उत्तर में रेलमंत्री ने कहा कि पिछले पांच साल में ड्यूटी के दौरान ट्रेन से कटकर ट्रैकमैनों की मौत की औसतन 67 घटनाएं हुई हैं। 2013-14 में इस तरह की 196 घटनाएं हुई थीं। रेल मंत्री ट्रैक सुरक्षा कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित विभिन्न उपायों से राज्य सभा को अवगत कराया। इस समय 2.13 लाख से अधिक ट्रैक मेंटेनर (कीमैन, गेटमैन और ट्राली मैन सहित) रेलवे में काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद बढ़ रहा: पीयूष गोयल

नई दिल्ली/एजेंसी

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कारगिल विजय दिवस, भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के लिए गौरव और आत्मबल का प्रतीक है, जब हमारे बहादुर जवानों ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया था।

पीयूष गोयल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारत की उस वीरगाथा की याद दिलाता है, जब सेना ने दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़कर दुश्मनों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व को याद करते हुए कहा कि उस दौर में भारत ने अपनी जमीन की रक्षा के लिए कड़ा संदेश दिया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी यही नीति जारी है, जो देश की एकता और अखंडता को चुनौती देगा, उसे सख्त जवाब मिलेगा।

भारत-यूके एफटीए: ऐतिहासिक व्यापार समझौता

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीयूष गोयल ने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ है, जो अब तक का भारत का सबसे बड़ा और व्यापक समझौता है। इससे फार्मा, वस्त्र, रत्न-आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, एमएसएमई और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निर्यात के नए अवसर खुलेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर: आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर भारत ने निर्णायक जीत हासिल की: सेना प्रमुख

नई दिल्ली/एजेंसी

देश 26वां कारगिल विजय दिवस मना रहा है। इस खास मौके पर देश भर के लोगों उन नायकों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इस बीच थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 26वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित किया।

दरअसल, द्रास में 26वें कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि हम उन नायकों के ऋणी हैं जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

ऑपरेशन सिंदूर पर क्या कहा?

इस कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को प्रभावी ढंग से निशाना बनाकर भारत ने निर्णायक जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सेना को खुली छूट दिए जाने के बाद भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का करारा जवाब दिया।

मुख्यमंत्री ने की शालीमार बाग में विकास कार्यों की शुरूआत, बोलीं- समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार गंभीर

नई दिल्ली/एजेंसी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा के टीपी ब्लॉक में सीवर लाइन, वीपी व एफपी ब्लॉक में गैस पाइपलाइन और सड़क निर्माण जैसे वर्षों से लंबित विकास कार्यों की शुरूआत की। यहा जानकारी मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर साझा की।इसके अलावा मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग विधानसभा में सड़क चौड़ीकरण, यू-टर्न सेक्शन सहित अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। लोक

निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि क्षेत्र के नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से देने के लिए सरकार प्रयासरत है। दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में इसी संकल्प के साथ विकास कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्याओं के समाधान को लेकर भी हमारी सरकार पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जहां एक ओर दिल्ली सरकार व्यवहारिक विकल्प तैयार कर रही हैं, वहीं यह भी मानती हैं कि किसी समस्या का समाधान ऐसा न हो जिससे जनता को परेशानी हो। इसी भावना से सरकार ने पुराने वाहनों से जुड़े आदेश के विरुद्ध न्यायालय में अपील दायर की है, ताकि समाधान संतुलित, न्यायसंगत और जनहितकारी हो।

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, पीयूष गोयल समेत कई नेताओं ने जतायी खुशी

नई दिल्ली/एजेंसी

वाशिंगटन के बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स कंपनी मार्निंग कंसल्ट ने ताजा सर्वे रिपोर्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता बताया है। जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प आठवें और इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी 10वें स्थान पर हैं।कंपनी की जुलाई 2025 की ताजा सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी को 75 प्रतिशत लोगों की अप्रूवल रेटिंग मिली है। यह सर्वे 04 से 10 जुलाई के बीच किया गया और इसमें 20 से अधिक देशों के नेताओं की रेटिंग शामिल की गयी। इस रिपोर्ट पर देश के तमाम नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया का सबसे भरोसेमंद नेता बताते हुए कहा कि यह भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी मॉर्निंग कंसल्ट ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रैकर के अनुसार, दुनिया के सबसे भरोसेमंद नेता बने हुए हैं।केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने प्रधानमंत्री मोदी की इस लोकप्रियता को देश के एक अरब से ज्यादा लोगों का समर्थन और दुनिया में हर जगह प्रधानमंत्री मोदी के प्रभाव के साथ मजबूत और निर्णायक नेतृत्व में भारत के उत्थान से जोड़ते हुए कहा कि एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे विश्वसनीय और सर्वोच्च रेटिंग वाले नेता के रूप में उभरे हैं।केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व क्षमता को अद्वितीय बताते हुए कहा कि यह जनता के विश्वास की एक सशक्त पुष्टि है। उन्होंने कहा कि सीमाओं के पार प्रशंसित, उनका नेतृत्व विश्वास जगाता है, विकास को गति देता है और भारत के वैश्विक कद को ऊंचा उठाता है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद सुरक्षा पर सख्त हुई सरकार

एअर इंडिया को मैनेज करने वाली टाटा कंपनी सरकार के साथ बैक टू बैक हाई लेवल मीटिंग कर रही

नई दिल्ली/एजेंसी

12 जून 2025 को हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। एअर इंडिया की फ्लाइट AI171 उड़ान के कुछ देर बाद ही आग के गोले में तब्दील हो गई, जिसमें

260 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। इस हादसे की वजह तो अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन भविष्य में ऐसे हादसे रोकने के लिए भारत सरकार और एअर इंडिया पुरजोर प्रयास कर रही है। एअर इंडिया को मैनेज करने वाली टाटा कंपनी सरकार के साथ बैक टू बैक हाई लेवल मीटिंग कर रही है। इन बैठकों में ब्रेनस्टॉर्मिंग के जरिए विमान हादसे रोकने के सुझाव दिए जा रहे हैं। बैठकों का दौर जारी एअर इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तीन दिनों की सिलसिलेवार बैठकों के बाद टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से मुलाकात की।

राजस्थान में ई-मेल से मचा हड़कंप, जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी; पुलिस अलर्ट

जयपुर/एजेंसी

राजधानी जयपुर में आज सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट प्रशासन को एक धमकी भरा ई-मेल मिला। इस ई-मेल में जयपुर एयरपोर्ट को विस्फोटकों से उड़ाने की बात कही गई थी, साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय को भी एक-दो घंटे में निशाना बनाने की धमकी दी गई। ई-मेल मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं और एयरपोर्ट परिसर में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। सीआईएसएफ ने एयरपोर्ट की सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखते हुए तलाशी अभियान शुरू किया। एयरपोर्ट टर्मिनल, एप्रन एरिया, पार्किंग स्थल और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की गहन जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक किसी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की बरामदगी नहीं हुई है।

80% ग्रामीण परिवारों तक पहुंचा पाइप का पेयजल, एमपी और यूपी में शानदार प्रोग्रेस

जल जीवन मिशन में महत्वपूर्ण प्रगति

2019 तक केवल 16.7 फीसदी घरों में कनेक्शन

अब यह आंकड़ा 80.94% तक पहुंच चुका है

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत के 80 फीसदी से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पाइप से पेयजल पहुंच चुका है। जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने इसकी जानकारी दी। ये आंकड़ा केंद्र सरकार के जल जीवन

मिशन में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

अगस्त 2019 तक केवल 16.7 फीसदी घरों में ही नल के पानी के कनेक्शन थे। लेकिन योजना के बाद यह आंकड़ा 80.94% तक पहुंच चुका है। अब तक देश के 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 15.67 करोड़ ग्रामीण परिवार इस मिशन से लाभान्वित हो चुके हैं।

11 राज्यों में 100 फीसदी कवरेज

सबसे सराहनीय काम भारत के 11 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में हुआ है। इसमें गोवा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, हरियाणा, तेलंगाना, पुडुचेरी, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। यहां 100% नल जल कवरेज हासिल कर लिया गया है।

वहीं उत्तराखंड में 97.6 फीसदी, लद्दाख में 96.88 फीसदी और बिहार में 95.7 फीसदी कवरेज हासिल हुआ है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने भी शानदार प्रगति की है। मिशन की शुरूआत में जहां मध्य प्रदेश में केवल 13.53 लाख ग्रामीण परिवारों के पास नल के पानी का कनेक्शन था, वह 21 जुलाई 2025 तक 78.56 लाख के आंकड़े तक पहुंच गया है। यूपी में आंकड़ा 5.16 लाख से बढ़कर 2.4 करोड़ हो गया है। हालांकि राजस्थान, पश्चिम बंगाल और झारखंड में प्रगति काफी धीमी है।

केरल में भी केवल 54.66 ग्रामीण परिवारों तक नल से जल का कनेक्शन पहुंच पाया है।

पीएम मोदी ने तोड़ा रिकॉर्ड: सबसे लंबे कार्यकाल वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री, नेताओं ने कहा 'ये गर्व का पल'

एजेंसी

पटना/नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकाल के 4,078 दिन पूरे करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4,077 दिनों के लगातार प्रधानमंत्री पद के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ ही, वह भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे नेता बन गए हैं। पीएम मोदी की इस उपलब्धि पर बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, मंत्री मदन सहनी, नीरज सिंह बबलू और अशोक चौधरी ने बधाई दी। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। उन्होंने इतिहास रच दिया है और सारे रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्र गौरवान्वित हुआ है। भारत माता के सपूत गौरवान्वित हैं। आज दुनिया भर में हर भारतीय का सम्मान हो रहा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में तेजी से भारत का विकास हो रहा है। हर व्यक्ति के मन में विश्वास है कि विकास हो रहा है और सुरक्षित है। भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, यह देश के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं... देश और दुनिया भर के लोग उनकी प्रशंसा करते हैं। आज, पंडित नेहरू के बाद, वह सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री हैं, और यह हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। भाजपा सांसद

दामोदर अग्रवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अद्वितीय प्रतिभा के धनी हैं और अथक समर्पण और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ देश की सेवा करते हैं। यही कारण है कि एनडीए ने उनके नेतृत्व में लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत हासिल किया... वह न केवल भारत के प्रधानमंत्री हैं, बल्कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता भी हैं। बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी ने कहा कि पीएम मोदी कई और वर्षों तक सेवा करते रहेंगे। वह एक असाधारण प्रधानमंत्री हैं जो देश को आगे बढ़ा रहे हैं और भारत का वैश्विक कद बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे पड़ोसी देशों को कड़ा जवाब दिया है; ऐसा करने वाले वह पहले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने देश का विकास किया है और देश की जनता उनसे खुश है। मंत्री अशोक चौधरी ने पीएम मोदी का आभार जताते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं और उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं उनकी लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि वह भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के अपने सपने को साकार करने की दिशा में काम करते रहें। मंत्री नीरज सिंह ने बबलू कहा, पीएम मोदी सबसे बेहतर पीएम हैं। दुनिया भर में हमारे देश के पीएम ही सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। हमें गर्व है कि वह हमारे पीएम हैं।

बिहार के बाद अब देशभर में होगा वोटर वेरिफिकेशन: चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वोटर वेरिफिकेशन को लेकर आदेश जारी किया है। ईसीआई के मुताबिक, देशभर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) शुरू किया जाएगा। निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर 24 जून का आदेश जारी किया है, जिसके बारे में जानकारी दी गई है। ईसीआई ने 24 जून के आदेश में कहा, चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू करने का फैसला लिया है। यह कदम संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए 1950) के तहत लिया गया है, जिसमें संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों और मतदाता सूची की तैयारी की देखरेख की जिम्मेदारी आयोग को दी गई है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची की सटीकता जरूरी है। जन प्रतिनिधि अधिनियम 1950 और 1960 के मतदाता पंजीकरण नियमों (आरईआर, 1960) के तहत मतदाता सूची बनाने की प्रक्रिया और योग्यता तय की जाती है। इसमें आगे बताया गया, आयोग ने पहले भी 1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में देश के कुछ हिस्सों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया था। बिहार में आखिरी बड़ा पुनरीक्षण 2003 में 1 जनवरी 2003 को आधार तारीख के साथ हुआ था। इस पुनरीक्षण का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल हों और किसी को बाहर न रखा जाए। संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 साल या उससे ज्यादा उम्र के भारतीय नागरिक, जो किसी कानून से अयोग्य न हों, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के हकदार हैं। आयोग ने पिछले 20 सालों में मतदाता सूची में बड़े बदलाव, शहरीकरण, और लोगों के एक जगह से दूसरी जगह पलायन को देखते हुए इस कदम को जरूरी माना है। आयोग ने कहा कि लोग शिक्षा, रोजगार और अन्य कारणों से एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं और नई जगह पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराते हैं, लेकिन पुरानी जगह से नाम नहीं हटाते। इससे मतदाता सूची में दोहरे नाम की समस्या बढ़ रही है। इसलिए, मतदाता सूची की शुद्धता के लिए गहन सत्यापन अभियान की जरूरत है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भारतीय नागरिक होना जरूरी है। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना है कि केवल भारतीय नागरिक ही सूची में शामिल हों।

पीएम मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम युग, आज भारत का मान-सम्मान बढ़ा : अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल को 'गोल्डन पीरियड' बताया और कहा कि हिंदुस्तान आज एक स्वर्णिम युग से गुजर रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में जितनी हिंदुस्तान की साख और मान-सम्मान है, आज से पहले किसी प्रधानमंत्री के कार्यकाल में ऐसा नहीं रहा। विज ने यह बात मीडिया कर्मियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 4,078 दिन प्रधानमंत्री के रूप में पूरे होने पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कही। उल्लेखनीय है कि इस अवधि के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ते हुए लगातार दूसरे सबसे लंबे कार्यकाल के प्रधानमंत्री बने हुए हैं।

विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री के विजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जो देश हमारे बाद आजाद हुए, वे आज विकसित देश बन गए हैं और वहां के लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उस दिशा में कार्य भी आरंभ हो गया है।

वर्तमान समय स्वर्णिम युग है: मंत्री विज ने वर्तमान समय को स्वर्णिम युग बताते हुए कहा कि इसी दिशा में जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया गया, जोकि भारत के माथे पर एक कलंक था। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में हिंदू अपना मंदिर नहीं बना सकते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया। वहीं, मुस्लिम महिलाओं के लिए मुसीबत बने तीन तलाक को खत्म किया गया और मुस्लिम महिलाओं को इस कानून से मुक्त कराया गया। इन उपलब्धियों के आधार पर उन्होंने आज के समय को स्वर्णिम युग बताया।

इंदिरा गांधी का कार्यकाल दुर्भाग्यपूर्ण : विज ने विपक्षी पार्टी कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कार्यकाल सबसे दुर्भाग्यपूर्ण रहा है, क्योंकि उनके कार्यकाल में संविधान पर कलंक लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में संविधान को पैरों तले रौंद दिया था, लगभग डेढ़ लाख लोगों को जेल में डाल दिया था, बोलने के अधिकार पर प्रतिबंध लगा दिया था, मौलिक अधिकार खत्म कर दिए थे और अखबारों पर सेंसरशिप लगा दी गई थी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मोदी जी के जन्म से ओबीसी न होने संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विज ने कहा कि विपक्षी पार्टियां देश को जातियों में बांटना चाहती हैं, जबकि भाजपा सभी को साथ लेकर चलती है और कभी भी धर्म की राजनीति नहीं करती है। उप-राष्ट्रपति के जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर विपक्ष द्वारा लगातार की जा रही राजनीति पर पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि श्री धनखड़ जी ने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अपने विवेक से इस्तीफा दिया है और विपक्ष को इस पर विश्वास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर बात को लेकर मीन-मेक निकालना ठीक बात नहीं है।

राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की छत गिरी

अब तक 6 बच्चों की मौत, 20 से अधिक घायल, पीएम, सीएम ने जताया दुख

एजेंसी

जयपुर/झालावाड़ । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ की घटना पर दुख जताया है। उन्होंने घायल बच्चों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं। झालावाड़ में शुक्रवार को स्कूल की छत गिरने से 6 बच्चों की मौत हो गई है, जबकि 20 से अधिक बच्चे घायल हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुःख जताते हुए कहा राजस्थान के झालावाड़ में एक स्कूल में हुई दुर्घटना दुखद और अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, झालावाड़ के पीपलोदी में स्कूल की छत गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। घायल बच्चों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ईश्वर दिवंगत दिव्य आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दें। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा झालावाड़ के मनोहरथाना में एक सरकारी स्कूल

की इमारत गिरने से कई बच्चों एवं शिक्षकों के हताहत होने की सूचना मिल रही है। मैं ईश्वर से कम से कम जनहानि एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देने की प्रार्थना करता हूं। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपना भरतपुर दौरा रद्द कर दिया है और घटनास्थल पर रवाना हो रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र में विद्यालय की छत गिरने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि अत्यंत पीड़ादायक है। इस हृदयविदारक घटना की गंभीरता को देखते हुए दो दिवसीय भरतपुर-डीग दौरा तत्काल प्रभाव से रद्द कर झालावाड़ के लिए प्रस्थान कर लिया है।' इससे पहले, शिक्षा मंत्री ने एक पोस्ट में लिखा, 'झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र में विद्यालय की छत गिरने से हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए शासन सचिव, शिक्षा को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। प्रभु दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के मुताबिक, पीपलोदी गांव के सरकारी स्कूल में बच्चे प्रार्थना के लिए खड़े थे। इसी दौरान अचानक से स्कूल की छत गिर गई। घटना के समय स्कूल में करीब 38 बच्चे थे। 6 बच्चों की अब तक मौत हुई है, जबकि 20 से 25 बच्चे घायल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मदन दिलावर ने इस घटना की जांच कराने को कहा है।

राहुल गांधी ने दिल्ली के जेलर वाला बाग और वजीरपुर इलाकों का दौरा किया, डिमोलिशन प्रभावित परिवारों से मिले

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के अशोक विहार स्थित जेलर वाला बाग और वजीरपुर इलाकों का दौरा किया है। यह वही इलाके हैं, जहां कुछ दिनों पहले दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने डिमोलिशन अभियान चलाया था। इस अभियान के तहत बुलडोजर से सैकड़ों झुग्गियों को तोड़ा गया था। राहुल गांधी ने डिमोलिशन के दौरान प्रभावित हुए जेलर वाला बाग और वजीरपुर में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी ने इन लोगों से यह जानने की कोशिश की कि कितने एकड़ में झुग्गियों को तोड़ा गया। स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि करीब 500 मीटर के एरिया में कार्रवाई की गई थी। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग और वजीरपुर का दौरा किया, जहां डीडीए ने 500 से ज्यादा झुग्गी-

झोपड़ियां तोड़ दी थीं। राहुल गांधी ने यहां प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और उनका दर्द बांटा।' इसी बीच, आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि आने वाले दिनों में शालीमार बाग और शाहदरा इलाके में बुलडोजर चलाने की तैयारी है। शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पिछले 6 महीने से दिल्ली में गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। 'जहां झुग्गी है, वहां मैदान बना देंगे' यही भाजपा की सच्चाई है।'आतिशी ने कहा कि पिछले 6 महीने में वजीरपुर, मद्रासी कैंप, जेलरवाला बाग, गोकुलपुर और मादीपुर समेत कई इलाकों में बुलडोजर चलाए गए। उन्होंने आरोप लगाए कि दो और इलाकों में बुलडोजर चलाने की तैयारी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'सीएम रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के इंदिरा कैंप में 15 दिन के भीतर झुग्गी पर बुलडोजर चलाने का नोटिस लगाया गया है। रेखा गुप्ता कहती हैं कि एक भी झुग्गी को तोड़ा नहीं जाएगा, लेकिन एक झुग्गी पर बुलडोजर चल चुका है और दूसरी झुग्गी पर चलने वाला है।' आतिशी ने दावा किया कि शाहदरा में लाल बाग की झुग्गियों पर भी बुलडोजर चलाने की नोटिस लगा है।

राबड़ी देवी का बड़ा आरोप : तेजस्वी को 4 बार मारने की कोशिश हुई, हम जानते हैं कौन कर रहा है

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई जब आरजेडी की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने तेजस्वी यादव पर जानलेवा हमले की साजिश का सनसनीखेज आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि तेजस्वी यादव की हत्या की कोशिश अब तक चार बार हो चुकी है और उन्हें पता है कि इसके पीछे कौन लोग हैं। राबड़ी देवी ने साफ कहा कि बीजेपी और जेडीयू मिलकर तेजस्वी पर हमला करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रक के जरिए तेजस्वी को मारने की साजिश रची गई, और अब तक चार बार ऐसे प्रयास हो चुके हैं। राबड़ी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा–हम चुप नहीं बैठेंगे, हमें मालूम है ये कौन करवा रहा है। राबड़ी देवी बिहार सरकार की एसआईआर नीति को लेकर भी हमलावर रहीं। उन्होंने कहा कि ये नीति उन चार करोड़ बिहारी प्रवासियों के साथ अन्याय है जो रोजगार की तलाश में राज्य से बाहर गए हैं। उन्होंने कहा, ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, ये बिहार की मेहनतकश आत्माएं हैं, जिनका अपमान हो रहा है। एसआईआर लागू कर सरकार बिहारी जनता को बांटने की साजिश कर रही है। हम पांच दिनों से विधानसभा में इसका विरोध कर रहे हैं और करते रहेंगे। राबड़ी देवी ने राज्य सरकार से तत्काल जवाब देने की मांग की और कहा कि बिहार की जनता यह सब

देख रही है। इस बयान के बाद साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में बिहार की सियासत और अधिक तूफानी मोड़ लेने वाली है। जहां एक ओर तेजस्वी यादव की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं एसआईआर नीति पर आरजेडी और विपक्ष का आक्रोश भी चरम पर है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की सुचारू कार्यवाही के लिए बुलाई बैठक ,सदन चलाने पर सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने और रचनात्मक चर्चा सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं की एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक बुलाने से पहले सदन में हुए जोरदार हंगामे को लेकर ओम बिराला ने 2 बजे तक सदन को स्थिगत कर दिया था और कहा था कि सुनियोजित व्यवधान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होता है। यह बैठक शुक्रवार दोपहर 12.30 पर बुलाई गई। इसका उद्देश्य संसद में प्रश्नकाल, चर्चा और संवाद को बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाना है। ओम बिरला चाहते हैं कि सदन निर्बाध रूप से चले ताकि जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सके और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। ओम बिरला की ओर से

बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सोमवार से संसद को सुचारू चलाने पर सहमति बनी है। सदन को 2 बजे तक स्थगित करने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ने सदन में हो रही बाधाओं, जैसे तख्तियां लहराने और नारेबाजी, पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां संसदीय लोकतंत्र की गरिमा के खिलाफ हैं और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में बाधक हैं। इस सर्वदलीय बैठक में बिरला ने सभी दलों से सहयोग मांगा ताकि संसद में रचनात्मक माहौल बनाया जा सके और सदन का प्रश्नकाल चले।ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले कहा, लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन इसे संसदीय मर्यादाओं के दायरे में व्यक्त करना चाहिए। यदि कोई दल किसी मुद्दे पर चर्चा चाहता है, तो मैं सरकार और विपक्ष के बीच बातचीत का रास्ता निकालने को तैयार हूं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वे हर मुद्दे पर सार्थक चर्चा के लिए मंच प्रदान करेंगे। इस बैठक से उम्मीद की जा रही है कि संसद का मॉनसून सत्र, जो 21 जुलाई से शुरू हुआ है, अब और व्यवस्थित ढंग से चलेगा।

महाराष्ट्र में भारी बारिश से कई नदियां उफान पर, जनजीवन अस्त व्यस्त

एजेंसी

मुंबई। मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई जिलों में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश से कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। इससे इन जिलों में जनजीवन बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है और लोगों को कई तरह की दिक्कतें उठानी पड़ रही है। मौसम विभाग ने मुंबई के लिए शुक्रवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है और दिन भर भारी बारिश की संभावना जताई है। रायगढ़ और गोंदिया जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। जिससे इन जिलों में भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन सतर्क है और नागरिकों को आवश्यक काम होने पर ही घर से निकलने की अपील की है। मुंबई के कांदिवली, बोरीवली, मलाड, अंधेरी, जुईनगर, बेलापुर और वाशी इलाकों में आज तड़के से तेज बारिश हो रही है। जिससे मुंबई के निचले इलाकों में जलभराव हो गया है और सुबह काम पर जाने वाले श्रमिकों को परेशान होना पड़ा है, लेकिन मुंबई में परिवहन व्यवस्था और लोकल ट्रेन सेवाएँ फिलहाल सुचारू रूप से चल रही हैं। साथ ही कल्याण से बदलापुर इलाके में कल रात से लगातार बारिश हो रही है। अगर बारिश की तीव्रता इसी तरह जारी रही तो पूरे इलाके में सड़कों पर जलभराव होने की संभावना है। मुंबई नगर निगम द्वारा घोषित ज्वार-भाटा कार्यक्रम के अनुसार 24 से 27 जुलाई के बीच समुद्र में उच्च ज्वार आएगा। आज दोपहर 12.40 बजे समुद्र में 4.66 मीटर ऊँची लहरें उठने की संभावना है। 26 जुलाई को सबसे ऊँची लहर 4.67 मीटर ऊँची पहुँचने की संभावना है।

आने वाले दिनों में भारत और मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली/माले । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव की राजकीय यात्रा पर राजधानी माले पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया है कि आने वाले समय में भारत-मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की ओर से भव्य स्वागत पर पीएम मोदी ने खुशी जताई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैं माले पहुंच गया हूं। मुझे बहुत खुशी है कि राष्ट्रपति मुइज्जू मेरा स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर आए। मुझे विश्वास है कि आने वाले दिनों में भारत और मालदीव के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, जिसमें लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव के माले पहुंचे, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया। एक विशेष सम्मान के रूप में राष्ट्रपति मुइज्जू और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री की मालदीव की यह तीसरी यात्रा है। प्रधानमंत्री मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में 'मुख्य अतिथि'

के रूप में भाग लेंगे।' भारतीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ और मालदीव तथा भारत के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यकाल के दौरान किसी भी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख की यह पहली यात्रा भी है। दोनों नेता अक्टूबर 2024 में मालदीव के राष्ट्रपति की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपनाए गए 'व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी' के लिए भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण के कार्यान्वयन में प्रगति का भी जायजा लेंगे। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुइज्जू के बीच चर्चा में बुनियादी ढांचे के विकास, रक्षा सहयोग और आर्थिक संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी मजबूत होगी। भारत और मालदीव के बीच लंबे समय से जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक संबंध रहे हैं। भारत 1965 में मालदीव की स्वतंत्रता को मान्यता देने और राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। वर्षों से यह संबंध घनिष्ठ, सौहार्दपूर्ण और राजनीतिक विवाद से मुक्त रहे हैं। मालदीव में 1988 के तख्तापलट के प्रयास के दौरान भारत की त्वरित सैन्य सहायता ने स्थायी विश्वास का निर्माण किया। इसके बाद भारतीय सैनिकों की त्वरित वापसी ने मालदीव की संप्रभुता को सुनिश्चित करने में मदद की, जिससे भारत की एक विश्वसनीय सहयोगी के रूप में छवि मजबूत हुई।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने संसद भवन पहुंचे करनाल के स्कूली बच्चों से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के करनाल से संसद भवन का भ्रमण करने आए स्कूली छात्रों से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मुलाकात की। उन्होंने बच्चों के साथ बातचीत कर उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बच्चों का यह दल करनाल के इंद्री खंड के भोजी खालसा गांव स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं का था, जो शैक्षणिक भ्रमण के तहत यहां पहुंचा था। मनोहर लाल ने इस मुलाकात की जानकारी एक्स पर साझा की है। उन्होंने लिखा कि करनाल के भोजी खालसा गांव से आए विद्यार्थियों से मिलकर उनका मन प्रफुल्लित हो गया। इस प्रकार की शैक्षणिक यात्राएं विद्यार्थियों में न केवल आत्मविश्वास और नागरिक चेतना को विकसित करती हैं, बल्कि उन्हें संसदीय कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक व्यवस्था को नजदीक से देखने-समझने का भी अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे अनुभव उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं और उन्हें देश के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया बक्करवाला सीएंडडी अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र का निरीक्षण

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बक्करवाला में निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र का निरीक्षण किया। इसकी जानकारी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह के एक्स अकाउंट पर साझा की गई है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह पोस्ट करते हुए कहा कि यहां निर्माण से जुड़े अपशिष्ट को सुनियोजित तरीके से प्रोसेस कर उसे ईंटों, टाइल्स और अन्य निर्माण सामग्रियों में परिवर्तित किया जा रहा है, जो पर्यावरण-संवेदनशील विकास की दिशा में एक सशक्त पहल है। उन्होंने अधिकारियों के साथ इस विषय पर भी विस्तार से चर्चा की कि कैसे इस प्रकार के अपशिष्ट का और भी व्यापक स्तर पर अन्य क्षेत्रों में पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि 8 अक्टूबर 2023 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस सीएंडडी अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन किया था। इस संयंत्र की प्रसंस्करण क्षमता 2,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन है। बुराड़ी के निकट जहांगीरपुरी में स्थित यह संयंत्र शहर के विभिन्न भागों में उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट का कुशलतापूर्वक निपटान कर रहा है।

'उदयपुर फाइल्स' फिल्म पर जमीयत चीफ अरशद मदनी ने सुप्रीम कोर्ट में जताई आपत्ति

नई दिल्ली । जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया है। उन्होंने फिल्म पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह भारतीय मुसलमानों को आतंकवाद के समर्थक के रूप में दर्शाती है, जो सांप्रदायिक वैमनस्य को बढ़ावा दे सकती है। मदनी ने दावा किया कि कथित तौर पर फिल्म में भारतीय मुसलमानों को पाकिस्तान के आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने वाला या उनके इशारे पर काम करने वाला दिखाया गया है। उन्होंने इसे दुर्भावनापूर्ण और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए खतरा बताया और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से गठित स्क्रीनिंग कमेटी के आदेश पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मंत्रालय उनकी आपत्तियों का समाधान करने में विफल रहा और केवल कमेटी की रिपोर्ट पर भरोसा किया। कमेटी ने फिल्म में सिर्फ छह मामूली बदलावों का सुझाव दिया, जो उनके मुताबिक अपर्याप्त हैं। मदनी ने आरोप लगाया कि सरकार ने सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) के सदस्यों को ही स्क्रीनिंग कमेटी में शामिल किया, जबकि जमीयत ने सेंसर बोर्ड के सर्टिफिकेट को ही चुनौती दी थी। यह हितों के टकराव का मामला है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसी कमेटी का गठन नहीं करना चाहिए था। जमीयत ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि फिल्म के निर्माताओं को निर्देश दिया जाए कि वे एक निजी स्क्रीनिंग आयोजित करें, ताकि कोर्ट में सुनवाई कर रहे जज फिल्म की सामग्री और मंशा को समझ सकें।

'विपक्षी नेता को सदन में बोलने नहीं देते', प्रियंका गांधी वाड्रा का आरोप

नई दिल्ली । बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का बयान आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी विपक्षी नेता सदन में बोलना चाहते हैं, तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बात की और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंका गांधी ने कहा, जब भी विपक्षी नेता बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हम चर्चा की मांग करते रहे हैं और उन्हें इस पर सहमत होना चाहिए। पिछले सत्र में मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि व्यवधान सत्ता पक्ष की ओर से शुरू होता है। वे कोई विषय चुनते थे, ताकि हम उस पर प्रतिक्रिया दें। फिर हंगामा होता है और सदन स्थगित हो जाता था। यह उनके लिए बिल्कुल सही है। यह पहली बार नहीं है जब किसी विपक्षी नेता ने सरकार पर सदन में नहीं बोलने देने का आरोप लगाया है।

संविधान की किताब जेब में लेकर घूमने वाले एक दिन कोने में सिमट जाएंगे: शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की टिप्पणी पर जोरदार पलटवार किया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि संविधान की किताब जेब में लेकर घूमने वाले लोग एक दिन किसी कोने में सिमटकर रह जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने संसद में विपक्ष के हंगामे पर भी जवाब दिया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, जो लोग संविधान की किताब जेब में लेकर घूमते हैं और संवैधानिक संस्थानों का अपमान करते हैं, देश इन सब चीजों को देखता है। जनता ऐसे लोगों के व्यवहार को देखती है, उन्हें समझती है और पहचानती भी है। इसके बाद चुनाव का समय आने पर उन लोगों को उनके हिसाब से जनता जवाब देती है। शेखावत ने

कहा, ÷इसीलिए आपने देखा होगा कि संविधान की किताब जेब में लेकर घूमने के बावजूद वह हाशिए पर हैं और सिमटते जा रहे हैं। मुझे लगता है कि कहीं एक दिन वह सिर्फ कोने में सिमटकर न रह जाएं। लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस सदन में इस देश की जनता और हमारे मतदाता बड़ी उम्मीदों के साथ हमें लोकतांत्रिक तरीके से देश के विकास पर चर्चा करने के लिए चुनते हैं, उसी मंच का इस्तेमाल अब निजी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए किया जा रहा है। मेरे विचार से लोकतंत्र के लिए इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, संवाद लोकतंत्र का पहला जरूरी माध्यम है और जो लोग इसे बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं, वे लोकतंत्र की भावना के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं। इस दौरान गजेंद्र सिंह शेखावत ने तेजस्वी यादव के चुनाव बहिष्कार वाले बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, भाजपा और एनडीए की जीत दिखाई दे रही है। बिहार में चुनाव परिणाम आने से पहले अपनी हार पर खीज मिटाने और अपनी छवि बचाने के लिए विपक्ष के नेता ऐसे बयान दे रहे हैं।

गुरुग्राम में आठ बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी, फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए, वापसी की कार्रवाई शुरू

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने जिले में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारत में बने दस्तावेज तो मिले, लेकिन सभी फर्जी पाए गए। पुलिस ने इनकी वापसी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इनके अलावा 200 अन्य संदिग्धों की जांच भी जारी है। पुलिस के अनुसार, गृह मंत्रालय के आदेश पर पुलिस गुरुग्राम में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर रही है। लोगों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से यह कार्रवाई चल रही हे। जो भी संदिग्ध मिल रहे हैं, उन्हें पुलिस होल्डिंग सेंटर भेज रही है। जिला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से उनके कागजातों की जांच करवाई जा रही है। जिनके दस्तावेज सही हैं, उन्हें तो छोड़ा जा रहा है। जिनके दस्तावेज जाली, फर्जी तरीके से बनाए गए हैं उन्हें होल्डिंग सेंटर भेजा रहा है। पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए संदिग्ध लोगों को गुरुग्राम में चार होल्डिंग सेंटर्स में रखा गया है। सामुदायिक केंद्र सेक्टर-40 में 40 नागरिक, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-10 में 47 नागरिक, सामुदायिक केंद्र मानेसर में 30 व बादशाहपुर के सामुदायिक केंद्र में 100 नागरिकों को रखा गया है। साथ ही उन्हें वापस भेजे जाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि गृह मंत्रालय के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के बाद अपराधों में भी कमी आने की उम्मीद है। बहुत से ऐसे अपराधी हैं जिनकी किसी तरह की कोई पहचान नहीं है। पुलिस ने आठ बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की है। पकड़े गए लोगों को उनके देश भेजने की तैयारी की जा रही है।

भाजपा नेता जमाल सिद्दीकी ने सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी पर कार्रवाई की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीक़ी ने रामपुर के सांसद एवं दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी पर कार्रवाई की मांग की है। सिद्दीकी ने इसको लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है।लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में सिद्दीक़ी ने लिखा है कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में वे लोकसभा अध्यक्ष के सामने एक गंभीर मुद्दा लाना चाहते हैं। रामपुर के सपा सांसद नदवी वर्तमान समय में वक़्फ़ बोर्ड के तहत आने वाली पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद में इमाम के रूप में तैनात हैं। इसके लिए वह वक़्फ़ बोर्ड से 18 हज़ार रुपये मासिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार इमाम का यह पद भारत के संविधान के अनुच्छेद 102 (1) (ए) के तहत लाभ का पद माना जाता है। क्योंकि यह दिल्ली सरकार के अधीन एक वैधानिक निकाय द्वारा वित्तपोषित है और इसे संसद (अयोग्यता निवारण) अधिनियम, 1959 के तहत छूट प्राप्त नहीं है। जैसा कि संविधान और संसदीय नियमों में स्पष्ट है, कोई सांसद ऐसा पद धारण नहीं कर सकता जो अयोग्यता का आधार बनाता हो।उन्होंने कहा कि सांसद नदवी द्वारा दिल्ली वक़्फ़ बोर्ड के तहत धारित पद की स्थिति की जांच कराई जाए कि ये लाभ के पद के दायरे में आता है या नहीं। अगर ये लाभ का पद पाया जाता है तो अनुच्छेद 103 के तहत निर्वाचन आयोग को इसकी जांच संदर्भित की जाए। साथ ही संविधान और लोकसभा नियमों के अनुसार सांसद नदवी के अयोग्यता की प्रक्रिया शुरू कराई जाए।सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भेजे पत्र में लिखा है कि दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद के ईमाम मौलाना मुहिबुल्लाह नदवी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में रामपुर से जीते हैं। पार्लियामेंट मस्जिद दिल्ली वक़्फ़ बोर्ड के अंतर्गत आती है। नदवी की गतिविधियां पहले से सपा को लाभ पहुंचने वाली थीं। मस्जिद के इमाम के नाते मस्जिद से उन्हें इस्लाम धर्म का काम करना था। जबकि वह सपा का प्रचार-प्रसार मस्जिद से खुलेआम करते रहे जो आज भी जारी है। सांसद बनने के बाद उन्होंने एक प्रकार से मस्जिद को अपना कार्यालय बना लिया।सिद्दीक़ी का ये भी कहना है कि सांसद नदवी इस मस्जिद को अपने निजी जायदाद के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं और वहां से सपा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं जो एक इमाम के रूप नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से नदवी को तत्काल हटाकर किसी अच्छे व्यक्ति को वक़्फ़ बोर्ड की तरफ से पार्लियामेंट स्ट्रीट मस्जिद का इमाम नियुक्त करने की मांग की है ।

यूरोलॉजी से जुड़े उन्नत चिकित्सा उपकरणों को लेकर सफदरजंग अस्पताल और पावरग्रिड के बीच समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और रोगी की देखभाल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत यह साझेदारी अत्याधुनिक यूरोलॉजिकल (मूत्र संबंधी) उपकरणों की खरीद को सुगम बनाएगी जो रोगी के देखभाल में उपयोगी सिद्ध होंगे। इस मौके पर वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. संदीप बंसल ने कहा कि पावरग्रिड के साथ यह सहयोग विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्नत यूरोलॉजिकल उपकरण न केवल हमारी निदान और उपचार क्षमताओं को बढ़ाएंगे, बल्कि हमारे संस्थान को भारत में यूरोलॉजिकल देखभाल के एक अग्रणी केंद्र के रूप में भी स्थापित करेंगे। यह

साझेदारी सभी के लिए, विशेष रूप से सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं पर निर्भर गरीब मरीजों के लिए, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ बनाने के हमारे साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। पावरग्रिड के कार्यकारी निदेशक (सीएसआर) जसबीर सिंह ने कहा कि वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के साथ पावरग्रिड की साझेदारी रणनीतिक सीएसआर पहलों के माध्यम से भारत के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्नत चिकित्सा तकनीक में निवेश करके, हम केवल उपकरण ही प्रदान नहीं कर रहे हैं बल्कि हम अनगिनत रोगियों के स्वास्थ्य और कल्याण में निवेश कर रहे हैं।

मुंबई ट्रेन विस्फोट : सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक, पीड़ित ने कहा-न्याय की आस जगी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई ट्रेन विस्फोटों के 12 आरोपियों को बरी करने से जुड़े बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश का जेल से रिहा होने वाले आरोपियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। घटना के पीड़ित सीए चिराग चौहान ने कहा कि सभी पीड़ितों को आखिरकार न्याय मिलने की आस जगी है। मुंबई विस्फोट घटना के पीड़ित सीए चिराग चौहान ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आशा की एक किरण जगी है कि सभी पीड़ितों को आखिरकार न्याय मिलेगा। जब यह घटना घटी, तब मैं 21 साल का था और सीए का छात्र था। मेरी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी, जिसके कारण मुझे लकवा मार गया और तब से मैं व्हीलचेयर का

इस्तेमाल कर रहा हूं। वह क्षण तनावग्रस्त होने वाला था, लेकिन उसके बाद मैंने हिम्?मत जुटाई। चिराग का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट को पूरे मामले की गहराई से समीक्षा करनी चाहिए और दोषी जांच अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए, ताकि सच्चा न्याय मिल सके। मुंबई विस्फोट मामले में आरोपी मोहम्मद साजिद अंसारी ने कहा कि हाई कोर्ट का फैसला बहुत मजबूत है। इस मामले में तत कालीन सरकार को माफी मांगनी चाहिए थी और दोषियों पर कार्रवाई करते हुए सजा मिलनी चाहिए थी। यह पीड़ितों के साथ भी धोखा है। मामले के असली दोषी अभी भी बाहर घूम रहे हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। सरकार को बेगुनाह लोगों को जेल में डालने का पछतावा नहीं है, यह रवैया ठीक नहीं है। धर्म विशेष को निशाने पर लिया जाता रहा है, जेल में रहने के दौरान हम सब लोगों को यही बोलकर टॉर्चर किया जाता था। हम सब के साथ आतंकवादियों की तरह से बर्ताव किया जाता रहा है। हाई कोर्ट के फैसले से बेगुनाही की मुहर लग गई है। मेरे जेल में रहने से पूरे परिवार को परेशानी झेलनी पड़ी है, हालांकि परिवार का सपोर्ट मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि 19 साल बाद जेल से बाहर निकलने पर लगा कि हम किसी नई दुनिया में आ गए हैं। मुझे टाइमर डिवाइस बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बिहार में एसआईआर को लेकर पक्षपात कर रहा चुनाव आयोग: राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उसे पक्षपातपूर्ण करार दिया। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग अब भारत के लोकतांत्रिक संस्थान की तरह काम नहीं कर रहा है और उसने हाल ही में जो बयान दिया है, वह ठीक नहीं है। चुनाव आयोग अपना मूल काम नहीं कर रहा है और यह लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। राहुल गांधी ने कर्नाटक का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारे पास वहां की एक सीट से जुड़े मामले में चुनाव आयोग द्वारा कथित धोखाधड़ी की अनुमति देने के 100 प्रतिशत पक्के सबूत हैं। उन्होंने दावा किया कि यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि सोची-समझी रणनीति के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों में हेरफेर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र की जांच करने पर ही यह गड़बड़ी पकड़ में आई है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में ऐसे नए नाम जोड़े गए हैं, जिनकी उम्र 18 साल से कहीं अधिक 45, 50, 60 और 65 साल है। उन्होंने कहा कि हजारों की संख्या में ऐसे मतदाता जोड़े गए हैं, और यह गंभीर चुनावी गड़बड़ी का संकेत है। अगर चुनाव आयोग को लगता है कि वे इससे बच निकलेंगे, तो यह उनकी गलतफहमी है। कांग्रेस इस मामले को जोर-शोर से उठाएगी।

'टाइप 2 मधुमेह के खतरे को 40 प्रतिशत तक कम कर सकता है योग'

एजेंसी

नई दिल्ली । रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआईडी) के एक अध्ययन के मुताबिक नियमित योग टाइप 2 मधुमेह का खतरा 40 प्रतिशत तक कम कर सकता है। यह अध्ययन रिपोर्ट यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्ली में एंडोक्रिनोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. एस.वी. मधु के नेतृत्व में तैयार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार नियमित रूप से योग का अभ्यास करने वाले संभावित व्यक्तियों में टाइप 2 मधुमेह होने की संभावना में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

अध्ययन में कुछ ऐसे योग आसनों का भी उल्लेख किया गया है जो इसके लिए उपयोगी पाए गए हैं। यह अध्ययन विशेष रूप से उन व्यक्तियों पर केंद्रित है जिन्हें इस बीमारी के विकसित होने का खतरा है, जैसे कि जिनके परिवार में मधुमेह का इतिहास रहा है। उन लोगों में यह पाया गया कि योग करने से मधुमेह की शुरुआत को पूरी तरह से रोका जा सकता है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा को योग और टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम पर एक नई रिपोर्ट

सौंपी। रिपोर्ट सौंपने के बाद केन्द्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह रिपोर्ट योग के माध्यम से टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम का वैज्ञानिक रूप से दस्तावेजीकरण करने का पहला प्रयास है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि यह अध्ययन भारत के सबसे बड़े और सबसे मान्यता प्राप्त मधुमेह शोधकर्ताओं और चिकित्सकों के निकायों में से एक, आरएसएसडीआई के तत्वावधान में किया गया है। उन्होंने आगे कहा, रिपोर्ट आगे की जांच के लिए प्रस्तुत की गई है। लेखकों के अनुसार, यह गैर-नैदानिक अवलोकनों पर आधारित है।उन्होंने आगे बताया कि जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत भी इसी तरह का शोध चल रहा है, जहां इस बात पर अध्ययन किया जा रहा है कि योग जैसे पारंपरिक स्वास्थ्य उपाय निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य परिणामों में कैसे योगदान दे सकते हैं।

गाजा में मानवीय संकट का समाधान निकाले भारत सरकार : जमाअत-ए-इस्लामी हिंद

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने गाजा में बढ़ते नरसंहार और मानवीय संकट पर गहरी चिंता प्रकट की है। उन्होंने भारत सरकार और विश्व समुदाय से गाजा में मानवीय संकट के समाधान के लिये हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। जमाअत अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि निरंतर घेराबंदी और बमबारी की वजह से लगभग 1.1 मिलियन बच्चों सहित 20.1 लाख से अधिक फिलिस्तीनी गाजा में फंसे हुए हैं। 18 मार्च को युद्ध विराम टूटने के बाद से इजराइल ने अपनी सैन्य आक्रामकता बढ़ा दी है तथा सहायता और आवश्यक वस्तुओं पर पूर्ण नाकेबंदी लगा रखी है। गाजा के लोग भूख और प्यास से मर रहे हैं, उनके घर ध्वस्त हो रहे हैं और उनकी आवाज़ें दबा दी गई हैं। स्थिति अत्यंत गंभीर है। इजरायल सरकार गाजा के लोगों के सम्पूर्ण विनाश की योजना बना रही है और विश्व को इस निकट विनाश को रोकने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि गाजा की 90 फ़ीसदी चिकित्सा सुविधा या तो नष्ट हो चुकी हैं या फिर काम नहीं कर रही हैं। पूरे गाजा पट्टी में केवल कुछ ही पोषण केंद्र चल रहे हैं, जबकि हज़ारों टन सहायता सामग्री में भोजन और दवाइयां महीनों से सीमा चौकियों पर फंसी हुई है। स्वच्छता और स्वच्छ जल की उपलब्धता में कमी के कारण डायरिया, हेपेटाइटिस और श्वसन संक्रमण जैसी बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार 6,60,000 बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और 17,000 से ज़्यादा बच्चे अकेले या अनाथ हैं। अगर घेराबंदी नहीं हटाई गई, तो सितंबर 2025 तक बड़े पैमाने पर अकाल पड़ने की आशंका है। सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह दृढ़ और सैद्धांतिक रुख अपनाकर अपनी ऐतिहासिक और नैतिक ज़िम्मेदारी निभाए। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा फ़िलिस्तीन के न्यायसंगत पक्ष का समर्थन किया है। इस महत्वपूर्ण क्षण में हमें अपनी आवाज़ पहले से कहीं ज़्यादा ज़ोरदार और स्पष्ट रूप से उठानी चाहिए। भारत सरकार को सार्वजनिक रूप से इजरायल की कार्रवाई की निंदा करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने 34 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 8 जन औषधि केंद्रों का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में ऑनलाइन माध्यम से 34 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, 8 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन और अस्पताल सूचना प्रबंधन प्रणाली (एचआईएमएस) का शुभारंभ किया। इसे मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, सामाजिक कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज और विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमने दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटाइज्ड करके भ्रष्टाचार के सभी रास्तों को बंद कर दिया है। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार के स्वास्थ्य मॉडल पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि उसमें डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्य कर्मियों और दवाई की कमी के साथ भ्रष्टाचार व्याप्त था। आआपा की वजह से आज दिल्ली के अस्पतालों में एक हजार लोगों पर एक बेड भी उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आआपा सरकार ने किसी को पक्की नौकरी नहीं दी, जबकि दिल्ली की भाजपा सरकार ने पांच महीने में ही 1,388

नर्सों और 41 पैरामेडिकल स्टाफ को स्थायी नौकरी दी है। दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल करके भ्रष्टाचार को खत्म करने का काम किया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को आरोग्य और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त करने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। दिल्ली में कुल 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाने हैं और हमारी स्पीड देखिए, केवल जून में 33 और जुलाई में 34 नए केंद्र प्रारंभ किए गए हैं। दिल्ली में कुल आयुष्मान आरोग्य मंदिर की संख्या बढ़कर 67 हो गई है।आज 34 पर स्थानीय विधायकों की मौजूदगी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले गए।

कांग्रेस ने दिल्ली में शुरू की प्रियदर्शिनी उड़ान और सिलाई योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस ने कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में जिलाध्यक्षों व ब्लॉक अध्यक्षों के लिए नेतृत्व सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान महिला कांग्रेस ने दिल्ली में प्रियदर्शिनी उड़ान योजना और प्रियदर्शिनी सिलाई योजना का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का नेतृत्व अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव शामिल हुए। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने बताया कि आज दो योजनाओं की शुरुआत की जिसमें प्रियदर्शिनी उड़ान योजना के अंतर्गत महिलाओं को सैनिटरी पैड बनाने का कार्य दिया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस पहल के तहत गरीब व जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ प्रियदर्शिनी सिलाई योजना की भी शुरुआत की। इसके अंतर्गत दिल्ली के हर जिले में सिलाई केंद्र स्थापित किए जाएंगे और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जाएगा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली कांग्रेस इन योजनाओं को हर विधानसभा तक ले जाएगी और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगी। दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने महिला कांग्रेस की सक्रियता की प्रशंसा करते हुए कहा कि संगठन आज दिल्ली सहित देशभर में महिला सशक्तिकरण के नए आयाम रच रहा है। दिल्ली महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह ने कहा कि दिल्ली में प्रियदर्शिनी सिलाई केंद्र खोले जाएंगे, इन केंद्रों में महिलाओं को आर्थिक न्याय के तहत सिलाई-कढ़ाई का काम दिया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिलों में सिलाई मशीनों का वितरण भी किया गया। महिला कांग्रेस ने यह भी घोषणा की कि प्रियदर्शिनी उड़ान योजना के अंतर्गत दिल्ली की प्रत्येक विधानसभा में हर महीने मुफ्त सैनिटरी पैड वितरित किए जाएंगे।

संपादक की कलम से

विज्ञान में लोक को प्रतिष्ठित करने की मुहिम

विज्ञान को आधुनिक युग में तेजी से धर्म का दर्जा दिया जा रहा है। लोगों में सबकुछ को वैज्ञानिक घोषित करने की ललक बढती जा रही है । ऐसा हो भी क्यों न ? विज्ञान विश्वसनीय, पूर्वाग्रहमुक्त और पक्षपातहीन अंतिम सत्य का पर्यायवाची जो हो गया है। हालाँकि सदैव ऐसा नहीं होता और स्वयं विज्ञान के अर्थ भी बदल रहे हैं। तब भी आँखिन देखी पर विश्वास करने वाली विज्ञान की विधि ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक भरोसेमंद आधार के रूप में सुबुद्ध लोगों की अभी भी पहली पसंद बनी हुई है। टोना-टोटका, झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र और ओझाझसोखा को ले कर लोग हिचकने लगे हैं। आमतौर पर विज्ञान की बढ़ती साख का ही नतीजा है कि विज्ञान के प्रचार-प्रसार के लगातार प्रयास हो रहे हैं ताकि आम जनों में वैज्ञानिक मानसिकता (साइंटिफिक टेम्पर) का विकास हो सके और वे खुशहाल जीवन बिता सकें। भारत में होशंगाबाद और केरल में समाज को विज्ञान से जोड़ने की पहल शुरू हुई थी जिसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार न हो सका। यहाँ एक जुड़ा सवाल वैज्ञानिक साक्षरता का भी है क्योंकि विज्ञान के प्रति भावनात्मक रुझान ही काफी नहीं हो सकती उसकी मुलभूत जानकारी भी आवश्यक है । चूँकि विज्ञान का क्षितिज निरंतर विस्तृत हो रहा है इसलिए वैज्ञानिक साक्षरता का स्तर भी बढ़ता रहता है और उसे नए ज्ञान के आलोक में बार-बार परिभाषित और पुर्नपरिभाषित किए जाने की जरूरत पड़ती है। गौरतलब है कि दुनिया और उसमें होने वाली घटनाओं को लेकर उत्सुकता सदा से वैज्ञानिकों के अध्ययन और विज्ञान के विकास के लिए एक बड़ा प्रेरक स्रोत रही है। परंतु विकसित हो रहे ज्ञान तक पहुँच सिर्फ बिरले और चुनिंदा लोगों की ही हो पाती है जो पहले से विशेष प्रकार का अध्ययन और औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके रहते हैं। यह बात एक हद तक तो समझ में आती है पर इस तरह विकसित होता ज्ञान-सृजन व्यापक लोक-जीवन से प्रायः अछूता ही बना रहता है। ज्ञान और समाज के बीच में एक बड़ी खाई या दूरी बनी रहती है जिससे ज्ञान पर कुछ लोगों या समूहों का एकाधिकार और वर्चस्व समाज में शोषण और असंतुलन पैदा करता है। मानवता का इतिहास इसका गवाह है कि ज्ञान में जिसे बढ़त रही वही विजयी रहा।

आज भी विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उन्नत रूप को लेकर विकसित राष्ट्रों के द्वारा इसी युक्ति से दबदबा बनाया जा रहा है। सत्य यही है कि समाज का बहुलांश या कहें एक बहुत बड़ा तबका ज्ञान-विज्ञान से अनभिज्ञ और ज्ञान-प्रक्रिया से बहिष्कृत-सा ही बना रहता है। इस तरह के अपरिचय के कारण उनको उस ज्ञान से लाभ मिलना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। शिक्षा के सामाजिक वितरण में असमानता का मुद्दा जन-कल्याण के व्यापक लक्ष्य को पाने में बड़ी बाधा बन जाता है और अनेक स्तरों पर बना हुआ है।

लोकतंत्र की दृष्टि से इस तरह का भेदभाव समाज को ज्ञानसम्पन्न होने के मार्ग में एक बड़ा रोड़ा बन जाता है। ज्ञान के अभाव का परिणाम यह होता है कि न केवल सामाजिक-आर्थिक विषमताएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती चली आती हैं बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रतिरोध भी होता है और समाज शैक्षिकझआर्थिक तौर पर पिछड़ जाता है। आज के तथाकथित ज्ञान युग में भी देश के अनेक समुदाय ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देश भी ज्ञान सृजन और ज्ञान के अनुप्रयोग की दृष्टि से पिछड़े हुए हैं। इस विसंगति के समाधान के लिए ज्ञान पर एकाधिकार से आगे बढ़ कर उसका व्यापक पैमाने पर प्रसार जरूरी है।

इधर कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय जगत में ज्ञान के प्रजातंत्री- करण को लेकर गंभीरता के कुछ संकेत दिखाई पड़ रहे हैं। इस सिलसिले में शुरू हुई ह्जन-विज्ञानह्न (सिटीजन साइंस) नाम की पहल उल्लेखनीय है। यह पहल गैर व्यवसायी वैज्ञानिकों या नागरिक जनों द्वारा वैज्ञानिक शोध में सक्रिय भागीदारी की परिघटना को व्यक्त करती है। इसे सक्रिय प्रतिभागी अनुसंधान (ऐक्शन रिसर्च) का ही एक रूप कहा जा सकता है। इसमें विभिन्न मात्रा में शोध कार्य करने के दौरान उसके विभिन्न चरणों में जन-भागीदारी को अवसर दिया जाता है। यह भागीदारी अप्रत्यक्ष और निष्क्रिय सहयोग से आरम्भ हो कर शोध में प्रत्यक्ष सहयोग-सहकार की सीमा तक जा सकती है। उल्लेखनीय है कि यूरोपियन कमीशन, अमेरिकी सरकार और संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी वैश्विक संस्थाओं और व्यवस्थाओं द्वारा जन-विज्ञान की पहल को अब विशेष रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

आज की दुनिया में औद्योगिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन जिस तेजी से हो रहे हैं उसे देखते हुए समाज विज्ञानों के लिए जन-विज्ञान की पहल का महत्व और बढ जाता है। आज के परिवेश में लोगों के व्यवहार, संज्ञान, निर्णय-प्रक्रिया, प्रेरणाएँ, भावनाएं, मनोवृत्तियाँ, सहयोग तथा संघर्ष आदि के नए-नए आयाम उभर रहे हैं जिनको समझने के लिए परम्परागत समाज विज्ञान अपर्याप्त है। उसके लिए एक व्यापक सामाजिक आधार वाली दृष्टि की जरूरत है।

सामाजिक विज्ञानों में आम जन शोध में प्रतिभागी के रूप में भाग लेते

भूखमरी है विकास के विरोधाभासी स्वरूप की भयावह तस्वीर

-ललित गर्ग-

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को चेताया है कि धरती पर करोड़ों लोग आज भी भूख, कुपोषण और खाद्य असुरक्षा के शिकंजे में जकड़े हुए हैं। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि एक वैश्विक त्रासदी की दास्तान है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि इक्कीसवीं सदी के इस तथाकथित ह्यविकसितह्न दौर में भी हम उस प्राथमिक आवश्यकता-भोजन को सुनिश्चित नहीं कर सके हैं, जो किसी भी आदर्श शासन-व्यवस्था एवं सभ्यता की बुनियादी कसौटी है। एफएओ के अनुसार, दुनिया भर में 70 करोड़ से अधिक लोग गंभीर भूख का शिकार हैं, जबकि करीब 2 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हालात और भी बदतर हैं। बच्चों में कुपोषण और स्टंटिंग (विकास अवरोध) की दरें चिंताजनक हैं।

समूची दुनिया में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई जैसी तकनीक की नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? विकास की इस धारा में इंसान एवं इंसान की मूलभूत जरूरतें कहां है? यह कैसा विकास है कि जिसमें विसंगतियां एवं विरोधाभास ही अधिक है। एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के सहारे खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी, बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। बढ़ती भूखमरी एवं कुपोषण आधुनिक विकास पर एक बदनुमा दाग है। इस वैश्विक संकट की जड़ में केवल खाद्यान्न की कमी नहीं, बल्कि युद्ध, आंतरिक संघर्ष, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता जैसी स्थितियां गहराई से जिम्मेदार हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते गेहूं, तेल, उर्वरक और अन्य खाद्य सामग्री की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। अफगानिस्तान, सीरिया, सूडान, यमन और सोमालिया जैसे देशों में वर्षों से चल रहे युद्धों ने लाखों लोगों को बेघर, बेरोजगार और भूखा बना दिया है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में आंतरिक संघर्ष और जलवायु आपदाएं खाद्य संकट को और विकराल बना रही हैं। भुखमरी के वैसे तो कई कारण हो सकते हैं, लेकिन दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख है। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, लगातार जारी युद्धों, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों एवं आतंकवाद की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने में भी तरह-तरह की अड़चनों की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने द्योतक हैं।

जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा, चक्रवात और असामयिक वर्षा जैसे कारक कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, जैसे देशों के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में मानसून के दौरान होने वाली आपदाएं किसानों की मेहनत को तबाह कर देती हैं। इससे खाद्यान्न उत्पादन घटता है, महंगाई बढ़ती है और आम आदमी की थाली सूखने लगती है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर जटिल से जटिलतर हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है।

आधुनिक विकास के प्रारूप पर चिन्तन करना होगा। यह विचारणीय प्रश्न है कि विकास के इस प्रारूप में बड़े-बड़े मॉल बन रहे हैं, शहरों में चमचमाती इमारतें खड़ी हो रही हैं, तकनीक और एआई की बात हो रही है, लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भुखमरी बढ़ रही है, कुपोषण आम होता जा रहा है, बेरोजगारी चरम पर है, महंगाई ने गरीब की थाली से दाल-सब्जी गायब कर दी है। विकास का यह विरोधाभासी चेहरा दिखाता है कि संसाधनों का वितरण असमान है और नीतियां गरीबों की भूख मिटाने की बजाय अमीरों की संपत्ति बढ़ाने में लगी हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) में 2030 तक ह्यभूखमुक्त विश्वह्न का सपना देखा गया था, लेकिन वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि हम इस लक्ष्य से दूर होते जा रहे हैं। गरीब देशों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है, लेकिन विकसित राष्ट्र अपने राजनीतिक एवं आर्थिक स्वार्थों में उलझे हुए हैं। कृषि को प्राथमिकता देने के बजाय, हम स्मार्ट सिटी, हाईवे और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट में संसाधन झोंक रहे हैं।

महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। अधिक चिन्ताजनक यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। इन प्रयत्नों में सबसे जरूरी है कि स्थायी कृषि नीति बनानी होगी जिसमें जल संरक्षण, जैविक खेती और छोटे किसानों की सुरक्षा पर बल दिया जाए। युद्ध और संघर्षों का समाधान कूटनीति और संवाद से निकाला जाए, क्योंकि सबसे बड़ी कीमत आम जनता चुकाती है। भोजन के अधिकार को मौलिक अधिकार की तरह लागू किया जाए, और सभी देश एक वैश्विक खाद्य भंडारण व वितरण प्रणाली विकसित करें। गरीबी उन्मूलन पर ठोस योजनाएं बने, ताकि लोग आत्मनिर्भर बनें और भीख या राहत पर निर्भर न रहें। महंगाई पर नियंत्रण, और गरीबों को सब्सिडी आधारित खाद्यान्न व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

एफएओ की रिपोर्ट में एक और भयावह तस्वीर सामने आती है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में कैद है। यदि हमने समय रहते भूख, गरीबी और खाद्य असुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी, तो हम विकास के उस नक्शे पर एक गहरा धब्बा छोड़ेंगे, जिसमें ऊंची इमारतें तो होंगी लेकिन उनके नीचे भूख से दम तोड़ते इंसान भी होंगे। ह्यएक रोटी की कीमत तब समझ आती है, जब भूख कई रातों से जाग रही होह्न-इसलिये अब समय है कि हम विकास के मायने बदलें ताकि हर थाली में भोजन हो, हर बच्चा कुपोषण से मुक्त हो, और भूख इतिहास की बात बन जाए, वर्तमान की नहीं। विकास की इक्कीसवीं सदी में भी अगर भुखमरी, कुपोषण एवं खाद्य संकट की समस्या विकराल होती जा रही है, तो यह व्यवस्था के साथ-साथ मानवता के लिए भी खतरे की घंटी है। इस समस्या से निपटने के लिए जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। समय आ गया है कि विभिन्न देशों की सरकारें जनकल्याण की योजनाओं की व्यापक समीक्षा करें और भुखमरी को दूर करने के लिए उचित एवं प्रभावी उपाय किए जाएं।

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट

जो बच्चे जीतकर आए थे, हार कैसे गए...

आईआईटी, एनआईटी और आईआईएम जैसे संस्थान हर पढ़ने वाले छात्र और उनके परिवारों का सपना होते हैं। सालों की मेहनत, रातों की नींदें, लाखों की कोचिंग और मां-बाप की हर उम्मीदझ सब कुछ इस एक सीट के लिए दांव पर लगा होता है। जब वह सीट मिलती है, तो लगता है कि ज़िंदगी जीत ली। लेकिन हाल ही में आईआईटी खड़गपुर से आई खबरों ने इस जीत की चमक के पीछे छुपा एक ऐसा स्याह सच उजागर कर दिया । यहां एक ही साल में चार छात्रों की आत्महत्या की है। यह कोई अपवाद नहीं। बीते एक दशक में भारत के टॉप संस्थानों में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आंकड़े कहते हैं कि हर साल ऐसे 30 से 40 छात्र आत्महत्या कर लेते हैं, लेकिन असल संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है – क्योंकि बहुत से मामले रिपोर्ट ही नहीं होते। इस देश में जो छात्र सबसे होशियार, टॉपर और घर का गौरव कहे जाते हैं, वे आखिर खुद को खत्म करने जैसा फैसला क्यों कर बैठते हैं? इसका जवाब सीधा नहीं, बहुत जटिल है। आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों में जाना जितना मुश्किल है, वहां टिके रहना उससे भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। वहां पहुंचते ही शुरू हो जाती है एक अंतहीन दौड़ – नंबरों की, इंटर्नशिप की, प्लेसमेंट की और अब तो स्टार्टअप और सोशल मीडिया ब्रांडिंग की भी। हर तरफ सफलता की परिभाषा ह्मिलियन डॉलर पैकेजह्न है। कोई एक दिन धीमा हुआ तो उसे पीछे छूटने का डर सताने लगता है और यही डर, धीरे-धीरे दिल-दिमाग में घर बना लेता है। इन संस्थानों के कैंपस चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों,

उनके हॉस्टल्स कितने भी आबाद क्यों न दिखें पर सच्चाई यह है कि वहां एक अजीब-सी तन्हाई बसती है, एक ऐसी तन्हाई, जो बाहर से नहीं, भीतर से खाए जाती है। भाषा की दीवार, नए माहौल की असहजता, पढ़ाई का लगातार दबाव और परफेक्ट बने रहने की अंधी दौड़ – ये सब मिलकर छात्र को उस जगह पर ले जाते हैं जहां वो खुद को नाकाम, अकेला और अस्वीकार्य मानने लगता है। यह सिर्फ पढ़ाई तक सीमित नहीं है। इन संस्थानों में बहुत सारे छात्र दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से भी आते हैं। उनके लिए संघर्ष सिर्फ अकादमिक नहीं, सामाजिक भी होता है। उन्हें बार-बार जताया जाता है कि वे कोटा से आए हैं, मेरिट से नहीं। प्रोफेसर हों या साथी छात्र, भेदभाव खुलकर भले न करें, लेकिन व्यवहार से झलक जाता है। पहचान पर लांछन लगाना, सवाल करना और मानसिक रूप से अलग-थलग कर देना– ये एक इंसान को अंदर से तोड़ने के लिए काफी है।

फिर परिवार का दबाव भी होता है। कई छात्र ऐसे परिवारों से आते हैं जहां पहली बार किसी ने आईआईटी और आईआईएम का मुंह देखा होता है। उनके लिए वह बच्चा सिर्फ एक छात्र नहीं, पूरे खानदान की उम्मीद होता है। मां-बाप कहते हैंझबेटा, तू ही तो सहारा है और यह सहारा बनने की कोशिश, छात्र को खुद को खो देने पर मजबूर कर देती है। वह डरने लगता है कि अगर असफल हुआ तो सिर्फ खुद को नहीं, अपने परिवार के सपनों को भी तोड़ देगा। इन सबके बीच सिस्टम की सबसे बड़ी चूक यह है कि उसने सफलता की परिभाषा को बहुत संकुचित कर दिया है। टॉपर बनना, 10 सीजीपीए लाना, गूगल या अमेजन में नौकरी पाना– यही सफलता के मानक बन चुके हैं। कोई मिड लेवल जॉब ले ले, ब्रेक ले ले, करियर बदल ले या पढ़ाई धीमे करे – तो उसे फेलियर समझा जाने लगता है। ऐसी सोच एक छात्र को इंसान से मशीन बना देती है और जब मशीन ब्रेक करती है तो कोई नहीं पूछता, बस फाइल बंद हो जाती है।

सबसे बड़ी विडंबना है कि ये सभी संस्थान सक्सेस को ग्लैमराइज तो करते हैं लेकिन फेलियर के लिए कोई ठोस और संवेदनशील व्यवस्था नहीं रखते। काउंसलिंग सिस्टम नाम मात्र का है । या तो काउंसलर होते ही नहीं और अगर होते भी हैं तो स्टूडेंट्स तक उनकी पहुंच नहीं होती। जो छात्र महीनों तक अकेलापन, एंग्जायटी और डिप्रेशन से जूझते रहते हैं, उन्हें खुलकर मदद मांगने में शर्म आती है। डर लगता है कि उन्हें कमजोर समझा जाएगा। वहां आई एम नॉट ओके कहना आसान नहीं होता। इसके अलावा कोई छात्र अगर फेल हो जाए, तो न तो कोई उसे संभालने वाला होता है, न कोई प्रोफेशनल मदद। वहां हर जगह यह सोच हावी होती है कि यहां सब प्रेशर में हैं, तुम भी झेलो लेकिन हर किसी की सहनशक्ति एक जैसी नहीं होती और जब सहनशक्ति जवाब दे देती है, तो छात्र चुपचाप उस चुप्पी को चुन लेता है जिसे आत्महत्या कहते हैं। अब सवाल यह नहीं है कि यह सब क्यों हो रहा है, सवाल यह है कि हम इसके लिए क्या कर रहे हैं? सबसे पहले तो हमें हर संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम जितना ही अनिवार्य बनाना होगा। छात्र जब कॉलेज में दाखिल होता है, उसी दिन से उसे मेंटल हेल्थ से जुड़ी जानकारी, संसाधन और मदद की व्यवस्था दी जानी चाहिए। काउंसलिंग को वैकल्पिक नहीं, जरूरी बनाया जाना चाहिए। हर हॉस्टल में एक पियर लिसनर ग्रुप हो, जहां छात्र अपने जैसे साथियों से बात कर सकें। दूसरा, हमें फेल होने को नॉर्मल बनाना होगा। कोई परीक्षा में पिछड़ जाए तो उसे रिपीट करने, ब्रेक लेने या स्लो-ट्रैक पर चलने के विकल्प बिना किसी शर्म के दिए जाने चाहिए। छात्रों को यह विश्वास होना चाहिए कि संस्थान उनकी असफलता के समय भी उतना ही उनके साथ खड़ा रहेगा जितना सफलता के समय। फेल होने पर सहानुभूति नहीं, समर्थन चाहिए।

तीसरा, भेदभाव के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति होनी चाहिए। चाहे वह प्रोफेसर हो या छात्र, कोई जातिगत या आर्थिक आधार पर भेदभाव करता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई हो।

भारतीय सेना के शौर्य तथा पराक्रम का जीवंत प्रतीक

संजीव

1999 में कारगिल में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रतीक के रूप में देश में प्रतिवर्ष 26 जुलाई को ऑपरेशन विजय के रूप में मनाया जाता है। इस दिन कारगिल युद्ध में पाकिस्तान की सेना को 28000 फुट ऊंचाई में भारतीय फौज ने अपने साहस और वीरता से परास्त कर फौज को वापस जाने पर मजबूर कर दिया था। इस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जांबाज सैनिकों को श्रद्धांजलि तथा नमन करते हुए याद करने की दिवस को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1998 में भारत तथा पाकिस्तान दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण किए जाने से तेजी से युद्ध का माहौल बन गया था और स्थिति को शांत तथा युद्ध से दूर रखने के प्रयास में दोनों देशों ने फरवरी 1999 में लाहौर घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर भी किए थे।कारगिल युद्ध की शुरूआत पाकिस्तान द्वारा कारगिल क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण रणनीतिक पहाड़ियों पर कब्जा जमाने के कारण हुई। भारतीय सेना ने 3 मई

1999 को कारगिल क्षेत्र की इन महत्वपूर्ण पहाड़ियों में पाकिस्तान सेना से मुक्त करने के लिए युद्ध की घोषणा की। युद्ध लगभग 60 दिनों तक जारी रहा और 26 जुलाई को भारतीय सेना ने कारगिल की पहाड़ियों में घुसपैठियों को मार कर उसे क्षेत्र को मुक्त कर भगा दिया। इस कारगिल युद्ध में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हुई एवं बड़ी संख्या में सैनिक हताहत भी हुए भारतीय सेना के भी जवान ईस युद्ध में शहीद हुए जिनकी शहादत को नमन तथा श्रद्धांजलि अर्पित करने हर 26 जुलाई को ऑपरेशन विजय बड़ी ही श्रद्धा एवं भावभीने तरीके से मनाया जाता है। इस युद्ध की शुरूआत में पाकिस्तान ने अपने अर्धसैनिक बल रेजीमेंट तथा नियमित पाकिस्तान फौज गुप्त रूप से कारगिल के क्षेत्र में भेजी थी और खुले तौर पर भारतीय नियंत्रित क्षेत्र में 132 सुविधाजनक अड्डों पर अपना नियंत्रण कर लिया था। पाकिस्तानी सेना में कश्मीरी गोरिल्ला और अफगान के भाड़े के सैनिक भी शामिल थे। मई 99 की शुरूआत में कई क्षेत्र में इन घुसपैठियों का पता नहीं चल पाया था भारतीय सेना ने घुसपैठ के खिलाफ सुना नहीं भेजी थी।इसके फल स्वरुप पाकिस्तान द्वारा गोलाबारी से कश्मीरी गुरिल्लाओं तथा तालिबानी आतंकवादियों को घुसपैठ करने के लिए कवरेज प्रदान किया गया था। 15 मई 1999 तक पाकिस्तान द्वारा 250 से 300 किलोमीटर तक कब्जा कर लिया गया था इसके बाद फिर भारतीय फौजी की कई रेजीमेंट तथा डिवीजन को पाकिस्तानी आतंकवादी विरोधी तथा पाकिस्तान के विरुद्ध तैनात होने के आदेश दिया गया। पाकिस्तान ने टोप खाने सहित भारी संख्या में लैंड माइंस तथा विमान टोही रडार भी कारगिल की चोटियों में स्थापित कर लिए थे।

बिना जानकारी के विदेश नीति पर न बोलें मुख्यमंत्री भगवंत मान

राकेश सैन

इस माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 देशों का दौरा किया। इसके साथ ही वे रियो-डी-जेनेरियो के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल हुए। उन्होंने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा की। इस यात्रा पर पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान ने प्रश्नचिन्ह लगाते हुए पूछा कि इस यात्रा से क्या मिला, क्योंकि इनमें से कुछ देश तो दस हजार की जनसंख्या वाले हैं। इनसे ज्यादा लोग तो हमारे यहां जेसीबी देखने के लिए इकट्ठा हो जाते हैं। इस तरह के बयान पर विदेश मंत्रालय ने बिना किसी का नाम लिए आपत्ति भी जताई है। अपरिपक्व बुद्धि इस तरह के बयान पर मुस्कुरा सकती है परन्तु थोड़ी समझ रखने वाले यही कह रहे हैं कि बिना जानकारी के मुख्यमंत्री को विदेश नीति पर कुछ नहीं बोलना चाहिए।

प्रधानमंत्री की इस 8 दिवसीय यात्रा से ग्लोबल साउथ, विशेष रूप से अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में भारत की स्थिति मजबूत हुई। चीन के ऋण में फंसे घाना, अर्जेंटीना और नामीबिया में उसके प्रभाव को संतुलित करने की रणनीति को आगे बढ़ाया गया है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख मजबूत हुआ। पहलगाम आतंकी हमले की निंदा को ब्रिक्स के संयुक्त घोषणापत्र में शामिल करवाने में कूटनीतिक सफलता मिली है। इस यात्रा में लगभग पांचों देशों के साथ यूपीआई समझौते किये। भारत-अफ्रीका सम्बन्धों को नई दिशा, विशेष रूप से घाना और नामीबिया के साथ व्यापारिक व सांस्कृतिक आदान-प्रदान की पहल की गई है। त्रिनिदाद और टोबैगो के साथ सांस्कृतिक और प्रवासी सम्बन्धों को बढ़ावा मिला है। ब्राजील के साथ व्यापार और रक्षा सहयोग में वृद्धि हुई है। इन देशों के साथ हुए समझौतों की सूची काफी लम्बी है, जो दोनों पक्षों के हित में है। वैसे श्री भगवंत मान का विचार मौलिक रूप से भारतीय सिद्धान्त वसुधैवकुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः और सरबत्त दा भला के भी खिलाफ है, जो समस्त विश्व को एक परिवार मानता है और सबके मंगल की कामना करता है। परिवार में किसी को छोटा-बड़ा देख कर सम्मान व सहयोग नहीं किया जाता। हम सब का कल्याण चाहते हैं, किसी को छोटाबड़ा देख कर नहीं। तकनीकी रूप से भी श्री भगवंत मान ठीक नहीं क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में हर देश का एक ही वोट है। किसी देश की जनसंख्या देख कर वोट की शक्ति नहीं तय की जाती। दस हजार की जनसंख्या वाले देश का भी एक वोट है और 140 करोड़ की आबादी वाले देश का भी एक ही वोट है। इतिहास साक्षी रहा है कि भारत का शक्तिशाली व समृद्ध होना केवल भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए कल्याणकारी है। भारत ने सदैव गरीब व जरूरतमंद देशों की सहायता की है, न कि किसी को एहसान तले दबा कर उसका शोषण किया। कोरोनाकाल में भी भारत ने अपने नागरिकों की सेवा के साथ विदेशों में भी दवाईयां भेजीं। विश्व में कहीं भी त्रासदी घटती है तो भारत का यही प्रयास रहता है कि किस तरह आगे बढ़ कर उस देश व समाज की सहायता की जाए। अपनी विस्तारवादी नीति के चलते चीन अफ्रीकी देशों में प्रभुत्व जमा रहा है, इन गरीब देशों की आर्थिक सहायता कर उन्हें अपने चंगुल में ले रहा है। समय आने पर विश्व पटल पर चीन इनका प्रयोग भारत के खिलाफ भी कर सकता है। ऐसे में इन देशों की सहायता करना, समानता के आधार पर व्यापारिक व सांस्कृतिक आदान-प्रदान के समझौते करना न केवल इन देशों बल्कि खुद भारत के लिए भी लाभदायक व दूरदृष्टि वाला कदम है। केवल इतना ही नहीं, श्री मोदी को इस 8 दिवसीय दौरे के दौरान 5 देशों की यात्रा में 5 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले जो विश्व में भारत के बढ़ते दबदबे के संकेत हैं। इससे मोदी को मिले अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों की संख्या 27 हो चुकी है। घाना में उन्हें द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो में द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो, ब्राजील में ग्रैण्ड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द साउदर्न क्रॉस, अर्जेंटीना में की टू द सिटी सम्मान दिया गया।

बांग्लादेश में 'भ्रष्टाचार की नींव' पर तैयार पुल प्रशासन ने ढहाया

एजेंसी

ढाका। दक्षिण-पश्चिमी बांग्लादेश के बारिसल डिवीजन के पिरोजपुर जिला में एक पुल के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग होने पर ढहा दिया गया। मदरा बाजार रोड पर ठेकेदार के माध्यम से इस पुल को तैयार कराया गया था। ठेकेदार को इसके लिए 5.73 करोड़ टका का भुगतान किया गया। ठेकेदार ने यह काम किसी दूसरे को सौंप दिया था। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, स्थानीय निकाय अभियांत्रिकी विभाग (एलजीईडी) से लोगों ने शिकायत की थी कि जलाबाड़ी यूनियन के मदरा बाजार रोड पर स्थित यह पुल कभी भी गिर सकता है। इसके निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। विभाग को जांच में बड़ी खामियां मिलीं। इसके बाद पुल को गिरा दिया गया। इस घटना के बाद बांग्लादेश में सरकारी निर्माण परियोजनाओं विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी और जवाबदेही को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। स्थानीय नागरिकों के गुस्से को देखते हुए एलजीईडी को इस संरचना को गिराने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस पुल का ठेका 29 दिसंबर, 2021 को पिरोजपुर एलजीईडी ने एक ठेकेदार फर्म को दिया था। इसका अनुबंध मूल्य 5.73 करोड़ टका था। अनुबंध के अनुसार, इसका निर्माण 28 दिसंबर, 2022 तक पूरा होना था। मुख्य ठेकेदार ने यह काम दूसरे ठेकेदार को सौंप दिया। उसने निर्माण मानकों का पालन नहीं किया और परियोजना समय-सीमा का उल्लंघन भी किया।

गाजा संघर्ष के बीच मैक्रो की बड़ी घोषणा, फिलिस्तीन को फ्रांस स्वतंत्र देश की मान्यता देगा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि उनका देश फिलिस्तीन को इसी साल सितंबर में आधिकारिक तौर पर मान्यता देगा।उन्होंने कहा कि सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में वे इसकी औपचारिक घोषणा करेंगे। फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से 140 से ज्यादा देशों की ओर से मान्यता प्राप्त है। गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि इस समय सबसे जरूरी है कि गाजा में जारी युद्ध तत्काल खत्म हो और नागरिकों की जान बचाई जा सके। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मध्य पूर्व में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति ऐतिहासिक प्रतिबद्धता के तहत मैंने फैसला लिया है कि फ्रांस, फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। हमें हमास को हथियार मुक्त कर गाजा को सुरक्षित बनाना और उसका पुनर्निर्माण करना होगा। उन्होंने लिखा है कि तत्काल युद्धविराम, सभी बंधकों की रिहाई और गाजा में व्यापक स्तर पर मानवीय मदद की जरूरत है। खास बात यह है कि मैक्रो इससे पहले इजराइल के रुख के समर्थक थे। 7 अक्तूबर 2023 को जब हमास के आतंकियों ने इजराइल पर हमला किया था, तब राष्ट्रपति मैक्रों ने इजराइल का समर्थन किया। हालांकि हाल के महीनों में गाजा में इजराइल की व्यापक सैन्य कार्रवाई में आम लोगों के निशाना बनने और वहां खाद्यान्न संकट को लेकर मैक्रों चिंतित हैं।

ओली सरकार को झटका, राष्ट्रपति का संवैधानिक परिषद विधेयक पर हस्ताक्षर करने से इनकार

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को आज उस समय तगड़ा झटका लगा जब राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संवैधानिक परिषद (कर्तव्य, कार्य, अधिकार और प्रक्रिया) अधिनियम 2006 से संबंधित संशोधन विधेयक को पुनर्विचार के लिए प्रतिनिधि सभा को वापस कर दिया है। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल के अनुसार, विधेयक को आगे की समीक्षा के लिए वापस भेज दिया गया था। पोखरेल ने कहा कि राष्ट्रपति ने विधेयक को मूल सदन को यह कहते हुए वापस कर दिया कि प्रस्तावित संशोधन संविधान की भावना और सिद्धांतों, लोकतांत्रिक मानदंडों और मूल्यों तथा अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक प्रथाओं के विपरीत है। राष्ट्रपति की तरफ से यह कदम संविधान के अनुच्छेद 113 (3) के तहत उठाया गया है। प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा द्वारा पारित संशोधन विधेयक 15 जुलाई को प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रपति कार्यालय पहुंचा था।एक सप्ताह की लंबी समीक्षा के बाद, राष्ट्रपति पौडेल ने इस पर हस्ताक्षर नहीं करने का विकल्प चुना और इसे संसद के निचले सदन को वापस कर दिया।

जेरेमी कॉर्बिन ने बनाई नई राजनीतिक पार्टी, समाज को बांटने वाले 'रिफॉर्म यूके' का बताया बेहतर विकल्प

लंदन। पूर्व लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन ने जारा सुल्ताना के साथ मिलकर एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हमारी यह पार्टी अमीरों और ताकतवरों से मुकाबला करने का काम करेगी। जेरेमी कॉर्बिन ने अपनी नई पार्टी के लॉन्च के मौके पर कहा कि वो एक ऐसा लोकतांत्रिक आंदोलन बनाने को संकल्परत हैं, जो अमीरों और ताकतवरों से मुकाबला कर सके और जीत हासिल कर सके। इस दौरान रिफॉर्म यूके पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी पार्टी खतरनाक रूप से विभाजनकारी राजनीति का एक समावेशी और एकजुट करने वाला विकल्प पेश कर रही है। रिफॉर्म यूके के मुकाबले अपनी पार्टी की भूमिका पर कॉर्बिन ने कहा, रिफॉर्म सिर्फ समाज की समस्याओं का दोष सबसे कमजोर अल्पसंख्यकों पर डालते हैं। वे समाज को बांटने वाली एक खतरनाक ताकत हैं।कॉर्बिन ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी का मकसद लोगों को विभाजित करना नहीं, बल्कि गरीबी, खराब आवास और शिक्षा में फंड की कमी जैसी वास्तविक समस्याओं से सामूहिक रूप से निपटना है।

पाकिस्तान में बारिश से आठ और मौतें, अब तक कुल 266 लोगों की जान गई

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में जारी भारी मानसूनी बारिशों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटों में देशभर में आठ और लोगों की मौत हो गई, जिससे अब तक की कुल मौतों की संख्या 266 हो गई है। यह जानकारी पाकिस्तान की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ताजा रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, हालिया आठ मौतों में से तीन खैबर पख्तूनख्वा में हुई, जहां पांच लोग घायल भी हुए हैं। वहीं, इस्लामाबाद और पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में दो-दो मौतें हुई, जबकि सिंध में एक व्यक्ति की जान गई। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून सीजन की शुरुआत जून के अंत में हुई थी, तब से अब तक देशभर में 94 पुरुष, 46 महिलाएं और 126 बच्चों सहित कुल 266 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं,

628 लोग बारिश और उससे संबंधित हादसों में घायल हुए हैं। पंजाब प्रांत इस समय सबसे अधिक प्रभावित है, जहां सबसे ज्यादा 144 मौतें और 488 घायल दर्ज किए गए हैं। हाल ही में रावलपिंडी में आई बाढ़ के बाद जिला प्रशासन ने शहर के 19 शहरी इलाकों को संभावित फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) के लिहाज से अति संवेदनशील घोषित किया है। डिप्टी कमिश्नर हसन वकार चीमा ने संबंधित क्षेत्रों में सहायक आयुक्तों, तहसीलदारों और विभागीय अधिकारियों को निगरानी अधिकारी नियुक्त किया है। नए खतरे वाले क्षेत्रों में न्यू कतारियां, लाई ब्रिज, बंगश कॉलोनी, जियाउल हक कॉलोनी, बोरिंग रोड, पीरवधाई ब्रिज, ढोक नाजू, ढोक दलाल, ढोक हसू ब्रिज, हजारा कॉलोनी, ढोक रत्ता, ग्वालमंडी, ढोक इलाही बख्श, सादिकाबाद, जावेद कॉलोनी, नदीम कॉलोनी, ताहली मोहरी, जान कॉलोनी, टेंच भट्ठा लास्ट स्टॉप, बनारस कॉलोनी और शेरॉन कॉलोनी (सावन कैंप) शामिल हैं। रावलपिंडी के नदीम कॉलोनी, जावेद कॉलोनी और ढोक इलाही बख्श के कई निवासियों ने स्थिति पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि पिछले 50 वर्षों से उनका इलाका लगातार बाढ़ की चपेट में आता रहा है, लेकिन हर बार सरकारी उपेक्षा ही देखने को मिलती है।

अमेरिकी कालेज गेम्स में लागू होंगे संघीय नियम, राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य अमेरिका के सभी कालेजों के गेम्स (खेलों) में नाम, छवि और समानता से संबंधित संघीय नियम लागू करना है। राष्ट्रपति ने यह कदम इस चिंता के बाद उठाया कि अनियंत्रित खर्च और राज्यों के नाम, छवि और समानता कानूनों ने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बाधित किया है। व्हाइट हाउस ने यह ब्यौरा भेजे आधिकारिक ई-मेल में उपलब्ध कराया है।

व्हाइट हाउस के विवरण में कहा गया है कि राष्ट्रपति का यह कार्यकारी आदेश छात्रवृत्ति, महिला और गैर-राजस्व खेलों की रक्षा करेगा। यह आदेश कालेज एथलीटों को तीसरे पक्ष के भुगतान पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाता है, जबकि ब्रांडिंग के लिए विज्ञापनों की अनुमति देता है। राष्ट्रपति का मानना है कि एथलीटों की भर्ती के लिए प्रोत्साहन भुगतान प्रतिस्पर्धा के संतुलन के लिए खतरा पैदा करते हैं। इससे छोटे खेलों के सामने संकट खड़ा हो जाता है। इस आदेश के अनुसार, 2024-25 सीजन के दौरान 125 मिलियन डॉलर या उससे अधिक राजस्व वाले एथलेटिक विभागों को महिलाओं और गैर-राजस्व खेलों में छात्रवृत्ति और रोस्टर स्थानों का विस्तार करना होगा। 50 मिलियन डॉलर से 125 मिलियन डॉलर के बीच आय वाले विभागों को यथास्थिति बनाए रखनी होगी। 50 मिलियन डॉलर से कम आय वाले विभागों को गैर-राजस्व खेलों के अवसरों में कटौती नहीं करनी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कालेज खेलों का देश में विशिष्ट स्थान है। यह खिलाड़ी स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी पर्याप्त सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही कई समुदायों में पारिवारिक गतिविधियों, मनोरंजन और संस्कृति का अमिट हिस्सा बनते हैं।

तेहरान और यूरोपीय देशों के बीच वार्ता शुरू, ईरान ने कहा- हमारा रुख स्पष्ट

एजेंसी

इस्तांबुल। ईरान और यूरोप के तीन प्रमुख देशों फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के बीच इस्तांबुल स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास में बातचीत शुरू हुई। इन तीनों देशों को ई-3 समूह कहा जाता है।

बता दें कि यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब जून में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों के बाद दोनों पक्ष पहली बार आमने-सामने चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह ईरानी प्रतिनिधिमंडल और ई-3 देशों के वरिष्ठ राजनयिक इस्तांबुल पहुंचे। इस वार्ता का उद्देश्य यह जानना है कि क्या तेहरान पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए किसी समझौते के लिए तैयार है।बातचीत शुरू होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने स्पष्ट किया कि ईरान की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा, हम यूरेनियम संवर्धन जारी रखेंगे; यह ईरानी जनता का अधिकार है और हम

इससे पीछे नहीं हटेंगे।' अराकची ने आगे कहा, 'आज की बातचीत पिछले संवादों का ही हिस्सा है और दुनिया को यह समझ लेना चाहिए कि हमारा रुख स्पष्ट और अडिग है। बता दें कि बीते महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के कुछ परमाणु ठिकानों पर हमले किए गए थे, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अब इस बातचीत को परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते गतिरोध को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इजरायल और ईरान के बीच कई दिनों तक हमलों का दौर जारी रहा था, जिससे दोनों देशों के इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी नुकसान भी पहुंचा था। इसके साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चेतावनी दे चुके हैं कि अगर ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को फिर से आगे बढ़ाया, तो अमेरिका ज्यादा कुछ सोचे बिना ईरान पर फिर से बमबारी करेगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले तेहरान और वाशिंगटन के बीच ओमान की मध्यस्थता में पांच दौर की परमाणु वार्ता हुई थी। इस दौरान ईरान में यूरेनियम एनरिचमेंट जैसे मोर्चे पर असहमति बनी रही।

गाजा पर दोहा वार्ता संकट में, अमेरिका और इजराइल ने अधिकारियों को वापस बुलाय

एजेंसी

दोहा/ कैनबरा/वाशिंगटन। गाजा पट्टी में युद्धविराम पर कतर की राजधानी दोहा में चल रही वार्ता बिना किसी परिणाम के बीच में खत्म हो गई। संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल ने दोहा से अपनी वार्ता टीम को वापस बुला लिया है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि हमास प्रतिक्रिया से वह निराश हैं।

सीएनएन की खबर के अनुसार, विटकॉफ ने कहा कि अमेरिका अब बंधकों को वापस लाने के वैकल्पिक विकल्पों पर विचार करेगा। साथ ही गाजा के लोगों के लिए स्थिर वातावरण तैयार करने का प्रयास करेगा। हमास के साथ संभावित अस्थायी युद्धविराम के बारे में परामर्श के लिए इटली पहुंचे विटकॉफ ने कहा कि मध्यस्थों ने बहुतेरे प्रयास किए, लेकिन हमास का रवैया समन्वय या सद्भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि बावजूद इसके हम संघर्ष को समाप्त करने और गाजा में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए दृढ़ हैं। हमास के हठधर्मी रवैया की वजह से इजराइल ने भी कतर की राजधानी से अपनी वार्ता टीम को भी वापस बुला लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने इजराइल को मानवीयता की दुहाई दी

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को इजराइल से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने और गाजा में खाद्य सामग्री पहुंचाने की अनुमति देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि गाजा मानवीय आपदा की चपेट में है। इसलिए इजराइल संयुक्त राष्ट्र और गैरसरकारी संगठनों को बिना किसी बाधा के काम करने की अनुमति दे। फिलिस्तीनी आबादी के जबरन विस्थापन को रोका जाए। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को इजराइल का समर्थन करने पर गर्व है, लेकिन गाजा के लोगों की स्थिति को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के बाद इजराइल ने कहा कि गाजा में खाद्यान की कमी नहीं है। हमास पर खाद्यान्न की कमी का भ्रम फैला रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अपनी टिप्पणी में आतंकवादी समूह हमास की क्रूरता की निंदा करते हुए शेष बंधकों को रिहा करने की मांग दोहराई। अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की घोषणा को कड़ाई से खारिज करता है। रुबियो ने एक्स पर लिखा, यह लापरवाही भरा फैसला हमास के दुष्प्रचार को बढ़ावा देता है और शांति को बाधित करता है।

व्लादिमीर पुतिन ने की उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति से फोन पर बात, रणनीतिक साझेदारी पर हुई चर्चा

एजेंसी

ताशकंद । उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर बात की। उज्बेक राष्ट्रपति की प्रेस सेवा ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। उज्बेक राष्ट्रपति के प्रेस सेवा ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मिर्जियोयेव को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उनकी अच्छी सेहत, समृद्धि और कार्य में सफलता की कामना की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने उज्बेक-रूसी व्यापक रणनीतिक साझेदारी और गठबंधन को विकसित करने व मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें उच्चतम स्तर पर हुए समझौतों को लागू करने पर ध्यान दिया गया। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने उज्बेक-रूसी रणनीतिक साझेदारी और सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान की सक्रियता पर भी संतुष्टि जताई।

गठबंधन को मजबूत करने, आपसी व्यापार को बढ़ाने, उद्योग, ऊर्जा, कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग परियोजनाओं को बढ़ावा देने और दोनों देशों के क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच

उज्बेक राष्ट्रपति की प्रेस सेवा ने एक बयान में कहा कि इससे पहले 8 जुलाई को मिर्जियोयेव और पुतिन ने व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए एक और फोन कॉल पर चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत उज्बेक-रूसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।उन्होंने उच्चतम स्तर के समझौतों, खासकर व्यापार और आर्थिक क्षेत्र में, उनके व्यावहारिक कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दिया। बयान में कहा गया है कि नेताओं ने व्यापारिक आदान-प्रदान बढ़ाने, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में औद्योगिक सहयोग परियोजनाओं को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय स्तर पर अधिक प्रभावी संपर्क स्थापित करने, और सांस्कृतिक, मानवीय व शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए समन्वय और अंतर-विभागीय सहयोग को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय एजेंडों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और आगामी कार्यक्रमों के शेड्यूल की समीक्षा की।

अवैध रूप से कुवैत जा रही 47 नेपाली महिलाओं को दिल्ली हवाईअड्डे से लौटाया गया

एजेंसी

काठमांडू। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 47 नेपाली महिलाओं के एक समूह को उस समय रोक दिया गया, जब वो बिना उचित अनुमति के यात्रा वीजा पर कुवैत की यात्रा करने का प्रयास कर रही थीं। इन महिलाओं के पास विदेश में नौकरी के लिए नेपाली दूतावास के नाम का फर्जी अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला, जिसके बाद उन्हें नई दिल्ली में नेपाली दूतावास के समन्वय से हिरासत में ले लिया गया। नेपाली दूतावास के उपनियोग प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र थापा ने बताया कि सामान्य पूछताछ के बाद इन सभी महिलाओं को सड़क मार्ग से वापस नेपाल भेज दिया गया। रुपन्देही के प्रमुख जिला अधिकारी बासुदेव घिमिरे के अनुसार महिलाओं को नेपाली दूतावास से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रकाश मल्ल के नेतृत्व में गई एक टीम ने नेपाली दूतावास के अन्य कर्मचारियों के साथ सुनौली सीमा से रुपन्देही ले जाया गया। पुलिस के अनुसार आगे की जांच के लिए इन महिलाओं को काठमांडू ले जाया जा रहा है। गृह मंत्री रमेश लेखक ने पुलिस को मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मानव तस्करी रोधी ब्यूरो को घटना की जांच करने और जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने का निर्देश दिया है।

यूक्रेन में राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अभियोजक कार्यालय की शक्तियों में कटौती

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि अंतरिम सरकार हमेशा भारत के साथ आपसी सम्मान और समानता के आधार पर अच्छे संबंध चाहती है। मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यह बात तब कही, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भारत की मेडिकल टीम के बांग्लादेश में आने को दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों का सकारात्मक संकेत मानते हैं? बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, हम शुरू से ही यही चाहते थे। हमने हमेशा कहा है कि हम भारत के साथ अच्छे कामकाजी रिश्ते चाहते हैं। हमारा रुख वही है। अंतरिम सरकार में किसी ने भी कभी यह नहीं कहा कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते। दरअसल, भारत से विशेषज्ञ डॉक्टरों और नर्सों की एक टीम

बुधवार रात ही ढाका पहुंची थी, जो विमान हादसे में घायल लोगों का इलाज कर रही है। यह टीम दिल्ली के राम मनोहर लोहिया और सफदरजंग अस्पतालों से आई है, जिसमें बर्न और प्लास्टिक सर्जरी के विशेषज्ञ शामिल हैं। इस टीम ने गुरुवार सुबह से मरीजों का इलाज शुरू कर दिया है। भारतीय डॉक्टरों की यह टीम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद ढाका पहुंची है। पीएम मोदी ने विमान हादसे के बाद बांग्लादेश को हर संभव मदद का वादा किया था। टीम में शामिल डॉक्टर मरीजों की स्थिति का आकलन कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर भारत में विशेष इलाज की सलाह देंगे। अगर जरूरत हुई तो और मेडिकल टीमें भी आ सकती हैं।

बता दें कि 21 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी ने ढाका में हुए विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया था। इससे पहले, भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार को पत्र लिखकर पूछा था कि घायलों के लिए भारत में कोई विशेष चिकित्सा सहायता की जरूरत है या नहीं। उच्चायोग ने मंगलवार को कहा कि वे हर जरूरी सहायता प्रदान करेंगे। पीएम मोदी ने कहा था, भारत बांग्लादेश के साथ एकजुटता में खड़ा है और हरसंभव सहायता के लिए तैयार है।

सीबीएस न्यूज पर होगा स्काईडांस का नियंत्रण, पैरामाउंट का होगा विलय

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के प्रमुख इलेक्ट्रानिक मीडिया सीबीएस न्यूज पर बहुत जल्द हॉलीवुड स्टूडियो स्काईडांस का नियंत्रण होगा। अमेरिकी संघीय संचार आयोग (एफसीसी) ने स्काईडांस को सीबीएस न्यूज का संचालन करने वाली कंपनी पैरामाउंट के साथ विलय को मंजूरी प्रदान कर दी। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कैर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि स्काईडांस से यह आश्वासन मिलने के बाद इस सौदे को मंजूरी दी गयी है कि नई कंपनी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध होगी।द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, एफसीसी के अध्यक्ष कार ने बयान में कहा, अमेरिकी अब पारंपरिक राष्ट्रीय समाचार मीडिया पर पूरी तरह, सटीक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने का भरोसा नहीं करते। अब बदलाव का समय आ गया है। इसलिए मैं कभी चर्चित रहे सीबीएस प्रसारण नेटवर्क में महत्वपूर्ण बदलाव करने की स्काईडांस की प्रतिबद्धता का स्वागत करता हूं। बताया गया है कि यह 8 अरब डॉलर का सौदा है। यह पैरामाउंट के लिए नई शुरुआत का संकेत है। पैरामाउंट पर दशकों से रेडस्टोन परिवार का नियंत्रण रहा है। टेक अरबपति लैरी एलिसन के बेटे डेविड एलिसन की योजना सौदा पूरा होने पर पैरामाउंट कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की है। हाल के हफ्तों में पैरामाउंट कंपनी ट्रंप प्रशासन के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों के कारण उथल-पुथल में घिरी रही है। कंपनी ने राष्ट्रपति ट्रंप से मुकदमे का निपटारा करने के लिए इसी महीने 1.6 करोड़ डॉलर का भुगतान किया। सीबीएस के लेट नाइट होस्ट स्टीफन कोलबर्ट ने कहा कि यह समझौता असल में ट्रंप प्रशासन से सौदे की मंजूरी पाने के लिए एक रिश्वत थी। एफसीसी की डेमोक्रेटिक कमिश्नर एना एम. गोमेज ने इस मंजूरी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एफसीसी ने पैरामाउंट पर एक निजी कानूनी समझौता कराने के लिए अपनी शक्ति का इस्तेमाल किया है। इससे प्रेस की स्वतंत्रता पर आंच पहुंची है। चिंताजनक बात यह है कि अब एफसीसी न्यूजरूम के फैसलों और संपादकीय निर्णयों पर अभूतपूर्व नियंत्रण लागू कर रही है। फिलहाल पैरामाउंट और स्काईडांस के प्रवक्ता ने इस मंजूरी पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए, विश्व व्यापार में दुनिया के लिए मिसाल : मिस्री

एजेंसी

लंदन। भारत ने ब्रिटेन के साथ समग्र आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीटा) पर हस्ताक्षर को विश्व व्यापार के समग्र वैश्विक परिवेश में एक मिसाल और अन्य देशों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन की यात्रा के परिणामों की जानकारी देने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यह बात कही। ब्रीफिंग में यह पूछे जाने पर कि भारत ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता संपन्न होने के बाद अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत की क्या स्थिति है और क्या इस समझौते से अमेरिका के लिए भी कोई संदेश निकलता है, इसके उत्तर में विदेश सचिव ने कहा, अमेरिका से संबंधित चर्चाओं के संबंध में, देखिए, हम ब्रिटेन में हैं, हम भारत और ब्रिटेन के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। इसलिए आप समझेंगे कि अगर मैं कहूं कि ध्यान उसी पर केंद्रित था, निष्पक्ष और स्पष्ट। स्वाभाविक रूप से, विश्व व्यापार के समग्र वैश्विक परिवेश का उल्लेख किया गया, लेकिन उस मोर्चे पर मैं जिस बात पर जोर देना चाहूंगा, वह यह है कि यह भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के महत्व को और भी रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, इस समय इतने महत्वपूर्ण समझौते का होना ही आज की घटनाओं से लिया जाने वाला एक महत्वपूर्ण संदेश है।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष: सीमा पर सैन्य झड़प के बाद अब तक 14 थाई नागरिकों की मौत, 46 घायल

बैंकॉक । थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। सैन्य संघर्ष में अब तक थाईलैंड के 14 नागरिक मारे गए हैं, जबकि 46 अन्य लोग घायल हैं। थाईलैंड के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया ने गुरुवार शाम तक अपने हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की थी। इस बीच, बैंकॉक में जन स्वास्थ्य मंत्री सोमसेक थेपसुथिन ने 14 लोगों की मौत की पुष्टि की, जिनमें 13 नागरिक और एक सैनिक शामिल हैं। उन्होंने नागरिकों और एक अस्पताल पर कंबोडियाई हमलों की निंदा करते हुए कहा, हम कंबोडियाई सरकार से अपील करते हैं कि वह इन युद्ध अपराधों को तुरंत रोके और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों का सम्मान करे। यह सैन्य झड़प बुधवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद हुई, जिसमें थाईलैंड के पांच सैनिक घायल हो गए। इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने अपने राजदूतों को निष्कासित कर दिया, जिससे राजनयिक तनाव काफी बढ़ गया। थाईलैंड के अधिकारियों ने कंबोडिया पर रूस निर्मित नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया, जबकि कंबोडिया ने इन दावों को निराधार आरोप बताते हुए खारिज किया। कंबोडिया ने कहा कि ये विस्फोट पुराने संघर्षों की बची हुई बारूदी सुरंगों के कारण हुए। सीमा पर लगभग 6 जगहों पर झड़पें हुई, जिनमें प्राचीन ता मुएन थॉम मंदिर के पास का इलाका भी शामिल है। थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने जवाबी हवाई हमले किए। थाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निकोर्नडेज बालनकुरा ने कहा, यह आत्मरक्षा में किया गया एक कदम था। हालांकि, झड़पों के बाद स्थिति और बिगड़ गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस मामले पर चर्चा के लिए एक तत्काल बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने संघर्ष के बीच एक आपात सत्र भी बुलाया, जो न्यूयॉर्क में बंद कमरे में चला। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि हवाई हमलों में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रीह विहियर के पास एक सड़क को निशाना बनाया गया। इस दौरान कंबोडिया ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।कंबोडिया के संस्कृति मंत्रालय ने कहा, इस मंदिर को यूनेस्को की ओर से विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है और यह कंबोडियाई लोगों की ऐतिहासिक विरासत है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा, कंबोडिया के पास थाईलैंड के खतरों से अपने क्षेत्र की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि हमले सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थे, किसी अन्य स्थान पर नहीं।इस संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ाई। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया। थाईलैंड ने सभी भूमि सीमा चौकियों को सील कर दिया है और अपने नागरिकों को कंबोडिया छोड़ने की सलाह दी है। थाईलैंड की सभी 7 एयरलाइनों ने भी नागरिकों को वापस लाने में मदद की पेशकश की है। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई हालात की कमान संभाल रहे हैं और उन्होंने कंबोडिया को आगे किसी भी आक्रामक कदम के खिलाफ चेतावनी दी है।

सन्त कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार देने को शासन ने मांगा आवेदन

प्रयागराज। योगी सरकार बुनकरों को प्रोत्साहित करने के लिए सन्त कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार दे रही है। योजना के तहत हथकरघा बुनकर, मास्टर वीवर, डिजाईनर उत्कृष्ट उत्पादों के चयन के लिए आवेदन मांगा है। आवेदन के साथ ही फुल साईज के सैम्पुल पूर्ण विवरण के साथ 4 सितंबर उपलब्ध कराना है। यह जानकारी हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, प्रयागराज परिक्षेत्र प्रयागराज के सहायक आयुक्त ने दी। उन्होंने बताया कि हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, प्रयागराज परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपद प्रयागराज फतेहपुर, बाँदा, चित्रकूट, प्रतापगढ एवं कौशाम्बी के समस्त हथकरघा बुनकर, मास्टर वीवर, डिजाईनर आदि को वर्ष 2025-26 के लिए सन्त कबीर राज्य हथकरघा पुरस्कार देने के आवेदन मांगा है।

योजना के तहत हथकरघा पर निर्मित वस्त्रों में से उत्कृष्ट उत्पादों का चयन किया जाएगा।जाने कैसा देना है सेम्पल चयन के लिए फुल साईज के सैम्पुल पूर्ण विवरण सहित जैसे सूटिंग, शटिंग, दो-दो मीटर, साड़ी फुल साइज की, तौलिया, बेडशीट, बेडकवर, शाल, दरी आदि पूर्ण साईज का हो ताकि हथकरघा उत्पादों की गुणवत्ता का समुचित परीक्षण एवं निरीक्षण करने में कोई समस्या न आने पाए।जाने कहां जमा करना है सेम्पल

उन्होंने बताया कि प्रयागराज के लाउदर रोड स्थित 67 सहायक आयुक्त, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग कार्यालय में सेम्पल 4 सितम्बर तक उपलब्ध कराना है। जिनका चयन समिति प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में किया जायेगा।

यूपी में गाजीपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अफसा अंसारी के करीबी की संपत्ति कुर्क

गाजीपुर, । मुख्तार अंसारी की पत्नी और 50,000 की इनामी अफसा अंसारी पिछले कई दिनों से फरार है। गाजीपुर पुलिस उनकी लगातार तलाश कर रही है।

इसी बीच अब पुलिस ने उनके सहयोगियों पर कार्रवाई करना प्रारंभ कर दिया है। गाजीपुर पुलिस फरार घोषित 50,000 की इनामी अफसा अंसारी को तलाश कर रही है। वह आईएस 191 गैंग के पूर्व सरगना स्वर्गीय मुख्तार अंसारी की पत्नी है। अब गाजीपुर पुलिस ने अफसा अंसारी और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई करना आरंभ कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार को अफसा अंसारी का आर्थिक सहयोगी व उसके गैंग का खास सदस्य एवं बहुचर्चित विकास कंस्ट्रक्शन में अफसा अंसारी के साथ पार्टनर रहे अभियुक्त रविंद्र नारायण सिंह पर कार्रवाई की गई।

न्यूज फ्लैश

भोगरबा क्षेत्र में एक एनजीओ ने आने वाली युवा पीढ़ी को प्रकृति के बारे में जागरूक किया

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रकृति- संरक्षण और धरा के सम्मान को सबसे ऊपर मानते हुए अर्जुन 'सेव अर्थ' फाउंडेशन नामक संस्था संपूर्ण हिमाचल प्रदेश में प्रकृति संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन काफी समय से करती आ रही है। इसी श्रृंखला में संस्था द्वारा आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोग्रवां में में आज एक कार्यशाला का आयोजन करवाया गया' जिसमें तुलसी व अन्य औषधीय पौधों के मिश्रण से हर्बल साबुन किस प्रकार से तैयार किया जाता है, इसकी संपूर्ण जानकारी दी गई। एंटरप्रेन्योरशिप करिकुलम माइंड सेट के अंतर्गत यह जानकारी डॉक्टर अशोक पठानिया और रजनी जोकि संबंधित विषयों के विशेषज्ञ हैं, उनके द्वारा प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने इसके साथ ही विद्यार्थियों और उपस्थित स्टाफ को हर्बल, जड़ी-बूटियों की पहचान करने, का सार्थक प्रयोग के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाने और हर्बल उत्पादों का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। डॉक्टर अशोक पठानिया ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी संस्था न केवल इस तरह की कार्यशालाएं आयोजित करवाती है, बल्कि इनके माध्यम से उद्योग और व्यवसाय से रोजगार के मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास भी कर रही है। संस्था का उद्देश्य जनमानस को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी बनाना है और हर एक तक रोजगार उपलब्ध कराना है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उपस्थित विशेषज्ञों की सलाह से प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम कृष्ण ने संस्था का धन्यवाद करते हुए कहा कि समय-समय पर ऐसी कार्यशाला आयोजित करने से हमारी युवा पीढ़ी को विशेष महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी मिलती है, और उन्हें जीवन में अपनाना अवश्यंभावी होना चाहिए। उन्होंने अर्जुन 'सेव अर्थ' फाउंडेशन संस्था के निदेशक बृजेश सहित सभी का धन्यवाद किया।

जागृति फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट ग्रीन मिशन के तहत आज गाँव थेर, गतला में पौधे बांटे

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

जागृति फाउंडेशन द्वारा प्रोजेक्ट ग्रीन मिशन के तहत आज गाँव थेर, गतला में आयोजित किया गया था। इसमें गांव थेरन गतला के ग्रामीणों, पंचायत सदस्यों और प्रधान श्रीमती इंदु बाल्स और परियोजना निदेशक कर्नल अशोक ठाकुर ने भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि एस. डी. एम. नूरपुर श्री अरुण शर्मा थे। अपने उद्घाटन भाषण में परियोजना निदेशक ने एस. डी. एम. श्री अरुण और ग्रामीणों सह पंचायत सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने विशेष रूप से श्री अरुण शर्मा को एस. डी. एम. नूरपुर का कार्यभार संभालने पर बधाई दी और उन्हें 2019 से गतला सामुदायिक केंद्र और बाल स्मारक पार्क सह खेल केंद्र को चरणबद्ध तरीके से विकसित करने के लिए जागृति फाउंडेशन के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से यह भी आग्रह किया कि वे आज परेशान किए जा रहे पौधों को अपने पिछवाड़े में लगाएं और एक बच्चे की तरह उनकी देखभाल करें जब तक कि वह आत्मनिर्भर न हो जाएं। पौधा इस देखभाल को कभी नहीं भूलेगा और आने वाले वर्षों तक परिवार को फल और हिस्सा देकर उसकी देखभाल करेगा। अपने संबोधन में एस. डी. एम. श्री अरुण ने उन्हें समारोह के लिए आमंत्रित करने और ग्रामीणों के साथ बातचीत करने और वृक्षारोपण अभियान में योगदान करने का मौका देने के लिए जागृति फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। उन्होंने ग्रामीणों से एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, पॉलिथीन आदि का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया, जो सीवरेज और नालियों को अवरुद्ध करके बहुत सारी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने परियोजना निदेशक के साथ ग्रामीणों को पौधे वितरित किए। सामुदायिक केंद्र के सामने दो पौधे भी लगाए गए। जागृति फाउंडेशन द्वारा उनके दरवाजे पर पौधे वितरित करने के प्रयास की सभी ने सराहना की।

Action TESA ने बल्लभगढ़ में की विशेष कॉन्ट्रैक्ट मीटिंग, 'TESA सलाम' और लक्की ड्रा ने बढ़ाया कारपेंटर्स का उत्साह"

दिव्य दिल्ली
Action TESA द्वारा बल्लभगढ़ फरीदाबाद अग्रवाल धर्मशाला में विशेष कॉन्ट्रैक्टर मीटिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कारपेंटर्स और व्यापार प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत 'TESA सलाम' से की गई, जो कारपेंटर्स के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने की कंपनी की अनूठी पहल है। 2010 में स्थापित, **Action TESA** ने बेहद कम समय में भारतीय बाजार में अपनी खास पहचान बना ली है। कंपनी के उत्पाद विशेषकर Boilo, MDF HDHMR बोड्र्स देशभर में ग्राहकों की पहली पसंद बन चूका हैं। ये सभी बोड्र्स वाटरप्रूफ, टिकाऊ और लॉन्ग-लास्टिंग हैं।

इस मीटिंग के दौरान कारपेंटर्स से इन उत्पादों के प्रति उनकी राय भी जानी गई साथ ही मीटिंग का समापन ळएरअ सलाम' और लुक्की ड्रा के कूपन के साथ हुई जिसमें जीते हुए विनर को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में डंपर ने मारी टक्कर, 02 श्रद्धालुओं की मौत, 30 घायल

फतेहपुर। उप्र के फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली क्षेत्र स्थित बरकतपुर के पास देर रात एक सड़क हादसे में मनगढ़ धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर ट्रॉली में तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 30 श्रद्धालु घायल हो गए। घायल 11 लोगों की हालत बेहद गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

हादसे में मौके पर सपना(17)पुत्री महेश व सुधीर (40)पुत्र चन्द्रभूषण निवासी मिट्ठनपुर फतेहपुर की मौत हो गई, जबकि लगभग 30 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों में से 11 की हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मौके पर खागा कोतवाली पुलिस पहुंची। कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला गया। सबसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीणों ने जबरन खोला पानी, राजकीय नर्सरी तरांव से बह गई मछलियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में स्थित कोरांव तहसील क्षेत्र में स्थित राजकीय मत्स्य प्रक्षेत्र तरांव में स्थित तालाब में जबरन पानी खोलने से मछलियां बह गई। इस संबंध में सूचना देने के बावजूद पुलिस नहीं पहुंची और परिणाम स्वरूप मत्स्य विभाग की भारी क्षति हो गई। यह जानकारी शनिवार को मत्स्य पालक विकास अभिकरण प्रयागराज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि सरकार मछली कारोबार को बढ़ाने के लिए लाखों रूपया खर्च कर रही है। लेकिन पुलिस का सही समय पर सहयोग न मिलने की वजह से मत्स्य विभाग की काफी क्षति हो गई। प्रयागराज के कोरांव तहसील में स्थित राजकीय मत्स्य प्रक्षेत्र में स्थित तालाब में निर्धारित लक्ष्यों 25 लाख की पूर्ति कुल 72 लाख मत्स्य स्पान 14 जुलाई को संचित किया गया था। लेकिन 17 जुलाई को अचानक अत्याधिक बारिश होने की वजह से तरांव में भारी जलभराव होने से स्थानीय ग्रामीणों ने जबरदस्ती मत्स्य प्रक्षेत्र में सुरक्षा के लिए तैनात मछुओं ने बार–बार बांधे जाने के बावजूद खोल दिया। इस संबंध में तत्काल 112 नम्बर पर पुलिस को सूचना देकर सहायता मांगी गई। लेकिन पुलिस से कोई सहयोग नहीं मिल पाया। जिसका परिणाम यह हुआ कि प्रक्षेत्र पर उपलब्ध नर्सरियां जलमग्न हो गई और नर्सरियों में उपलब्ध मछलियां बह गई। इस संबंध में तत्काल जानकारी मिलते ही प्रक्षेत्र पर पदस्थ मछुओं द्वारा दिये जाने पर तत्काल मत्स्य विकास अधिकारी तरांव मनोज कुमार मौके पर पहुंचे और देखा तो प्रक्षेत्र की समस्त नर्सरियां जलमग्न दिखाई दी और बाढ़ जैसे स्थिति से नर्सरी में उपलब्ध सभी मत्स्य स्पान (मछलिया) बह जाने की पुष्टि हुई है। इस साक्ष्य के रूप में संबंधित अधिकारियों को सभी नर्सरियों का छाया चित्र भी भेजा गया। इतना ही नहीं जिम्मेदार अधिकारियों के मण्डलीय एवं जनपदीय व्हाट्सएप ग्रुप पर भी भेज दिया गया।

ऐसी परिस्थिति में प्रक्षेत्र पर उपलब्ध समस्त मछलियां बह जाने के कारण से वर्तमान में प्रक्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति किया जाना अब संभव नहीं हो पाएगा।

सरार्फे की दुकान से लाखों के गहने-नकदी की लूट

साहिबाबाद। लिंकरोड थाना क्षेत्र के बृज विहार स्थित मानसी ज्वेलर्स से दो युवकों ने दिनदहाड़े लाखों के गहने व नकदी लूट ली। दोपहर करीब 3:30 बजे दुकान में घुसे दोनों बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर कर्मचारी शुभम वर्मा से हाथापाई की।

इसके बाद दो बैग में सोने-चांदी के गहने और 20 हजार रुपये की नकदी भरकर भाग गए।

लूट की सूचना से इलाके में दहशत फैल गई।

दो बदमाश मुठभेड़ में पुलिस की गोली से हुए घायल, गिरफ्तार

नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत स्थित निजी कंपनी के सामने 130 मीटर रोड़ पर चैकिंग की जा रही थी तभी सामने से एक स्कूटी बिना नम्बर प्लेट पर सवार 03 व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये।

पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध प्रतीत होने पर चैकिंग हेतु रोकने का इशारा किया गया तो स्कूटी सवार व्यक्तियों द्वारा अपनी स्कूटी मोड़कर ग्राम खोदना के जंगल की तरफ भगाने लगे। पुलिस टीम द्वारा स्कूटी सवार व्यक्तियों का पीछा गया तो स्कूटी सवार बदमाशों द्वारा अपने आप को घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किये गये।

पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में 02 बदमाश गोली लगने से घायल हो गये। घायल बदमाश की पहचान 1. प्रशान्त पुत्र भीमा निवासी ग्राम निजामपुर थाना खुर्जा जनपद बुलन्दशहर वर्तमान पता कस्बा व थाना दादरी गौतमबुद्धनगर उम्र करीब 24 वर्ष 2. हर्षित चौहान उर्फ मोहित चौहान उर्फ बिल्लू पुत्र प्रताप सिंह चौहान निवासी ग्राम सैजपुर थाना पिसावा अलीगढ़ वर्तमान पता कस्बा व थाना दादरी गौतमबुद्धनगर उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई है।

घायल अभियुक्तों के कब्जे से 01-01 तमंचा मय 01-01 खोखा कारतूस व 01-01 जिंदा कारतूस .315 बोर, 12000 रुपए नकद, घटना में प्रयुक्त स्कूटी बिना नम्बर प्लेट व थाना सूरजपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 423/2025 धारा 305(ए)/331(4) बीएनएस, मु0अ0सं0- 415/2025 धारा 305(ए) बीएनएस, मु0अ0सं0-420/2025 धारा 305/331(4) बीएनएस, मु0अ0सं0-126/2025 धारा 305/331(4) बीएनएस से संबंधित आभूषण बरामद किये गये है।

कारगिल की बर्फीली चोटियों से आज भी सुनाई देती है जांबाजों के शौर्य की गूंज: कुंवर विक्की

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

आज सारा देश कारगिल युद्ध की 26वीं वर्षगांठ मनाते हुए कारगिल के जांबाजों को एक सुर में याद कर रहा है।कारगिल युद्ध का स्मरण होते ही भारतीय सेना के शौर्य के समक्ष समूह देशवासियों का सिर श्रद्धा से झुक जाता है क्योंकि यह युद्ध भारतीय सेना ने जिन कठिन परिस्थितियों में लड़ा उसकी मिसाल विश्व में अन्य कहीं नहीं मिलती। 1999 को पाक द्वारा भारत पर थोपे गये कारगिल युद्ध में जहां पूरे देश में 527 सैनिकों ने वीरगति पाई वहीं शहीदों की जन्मभूमि जिला गुरदासपुर के सात तथा जिला पठानकोट के एक वीर सैनिक ने कारगिल की बर्फीली पहाडि?ों पर अद्भुत वीरता व शौर्य का प्रदर्शन कर अपने प्राणों की आहुति देकर अपना नाम शहीद सैनिकों की श्रृंख्ला में स्वर्ण अक्षरों में अंकित करवा लिया। कारगिल की बर्फीली चोटियों से आज भी जांबाजों के शौर्य की गूंज सुनाई देती है शहीद सैनिक परिवार सुरक्षा परिषद के महासचिव कुंवर रविंदर सिंह विक्की ने बताया कि कारगिल के इन जांबाजों को देश का सलाम है जिन्होंने देश के आने वाले कल के लिए अपना आज कुर्बान कर देश की भावी पीढ़ी में देशभक्ति की अलख जगा उनमें राष्ट्र पर मर मिटने का जज्बा भर दिया। इन रणबांकुरों के बलिदान को नमन करने के लिए 26 जुलाई को शहीद सैनिक परिवार सुरक्षा परिषद द्वारा एस.एस.एम कॉलेज दीनानगर में 'कारगिल विजय दिवस' के उपलक्ष्य में 'शौर्य सम्मान समारोह' का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कई गणमान्य लोग व सैन्य अधिकारी शामिल होकर देश पर मर मिटने वाले इन वीरों को नमन करेंगे वहीं कार्यक्रम के सबसे वरिष्ठ मेहमान शहीद परिवारों का विशेष सम्मान किया जाएगा

जनसमस्याओं के निराकरण में न हो तनिक लापरवाही: सीएम योगी

गोरखपुर । गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार जनता की हर समस्या का प्रभावी समाधान कराएगी।

सीएम योगी ने ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं का निस्तारण संवेदनशीलता और तत्परता से किया जाए। इसमें तनिक भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

जनपद में दो दिन भारी बारिश का अलर्ट

महोबा। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जनपद में 26 व 27 जुलाई को भारी बारिश, आंधी तूफान का अलर्ट जारी किया गया है। डीएम गजल भारद्वाज ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने मौसम विभाग की एडवाइजरी के अनुसार जनपद वासियों से सुरक्षित रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पशु हानि से बचाव के लिए खराब मौसम के दौरान पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर बांधे , पेड़ और टिनशेड के नीचे न बांधे। पशु भी स्वयं को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ों के नीचे छिपते हैं, जोकि सुरक्षित नहीं हैं। खराब मौसम में कोई भी व्यक्ति घर से बाहर न निकलें। छिपने के लिए सुरक्षित स्थान के रूप में पक्के मकान का ही प्रयोग करें।

जंगली क्षेत्र में छोटे पेड़ के नीचे छिपे और पैर के नीचे सूखी लकड़ी व पत्ते रखें साथ ही बारिश के समय बर्तन, कपड़े न धोएं। इलेक्ट्रॉनिक वस्तु, टीवी, कूलर व अन्य वस्तु को न छुएं। मोबाइल फोन पर बात करने से बचें और जर्जर मकान से दूर रहें।

ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी से संबंधित 30 सेवाएँ और राजस्व विभाग से संबंधित 5 अन्य सेवाएँ अब सेवा केंद्रों पर उपलब्ध होंगी

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

पंजाब सरकार ने आम लोगों को बड़ी सुविधा प्रदान करते हुए राजस्व विभाग से संबंधित 5 सेवाएँ और परिवहन विभाग से संबंधित ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी से संबंधित 30 सेवाएँ सेवा केंद्रों पर उपलब्ध करा दी हैं। यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (ज) स. हरदीप सिंह ने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान जी ने पंजाब के लोगों को बड़ी राहत देते हुए अब सेवा केंद्र से डीड रजिस्टर्ड करना, ड्राफ्ट डीड तैयार करना,

प्रारंभिक जांच के लिए डीड जमा करना, स्टांप ड्यूटी का भुगतान, म्यूटेशन के लिए अनुरोध (विरासत या पंजीकृत डीड के आधार पर), रिपोर्ट दर्ज करने के लिए अनुरोध (अदालती आदेशों से संबंधित, बैंक ऋण के बंधक या बैंक ऋण/बंधक की माफी), फर्द बदर (रिकॉर्ड में सुधार), डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित फर्द के लिए अनुरोध और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित 16 सेवाएं और आरसी से संबंधित 14 सेवाएं अब उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि जो नागरिक सेवा केंद्र में नहीं आ सकते हैं वे फोन नंबर 1076 डायल कर सकते हैं और डोर स्टेप डिलीवरी के माध्यम से घर बैठे इन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं में लर्नर लाइसेंस से संबंधित सेवाएं जैसे नया आवेदन, पता परिवर्तन, नाम परिवर्तन, डुप्लीकेट लर्नर लाइसेंस से आयोवा ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित सेवाएं जैसे डुप्लीकेट लाइसेंस, नवीनीकरण (जहां टेस्ट ट्रैक पर जाने की आवश्यकता नहीं), प्रतिस्थापन, पता परिवर्तन, नाम परिवर्तन, जन्मतिथि में सुधार, ड्राइविंग लाइसेंस अर्क, प्री-वेडिंग लाइसेंस सरेंडर, सार्वजनिक सेवा वाहन का बैज, कंडक्टर लाइसेंस का नवीनीकरण, लर्नर लाइसेंस की अवधि का विस्तार, अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आरसी से संबंधित सेवाओं में डुप्लीकेट आरसी, गैर-व्यावसायिक वाहन के स्वामित्व में परिवर्तन, किराया खरीद जारी रखना (स्वामित्व परिवर्तन/नाम परिवर्तन के मामले में), किराया खरीद समझौते का समर्थन, वाणिज्यिक वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र (भारी/मध्यम/तीन पहिया/चार पहिया/एलएमवी), अतिरिक्त लाइफ टाइम टैक्स का भुगतान (स्वामित्व परिवर्तन के मामले में), आरसी का सत्यापन, आरसी के लिए एनओसी, परिवहन सेवाओं के रिकॉर्ड में मोबाइल नंबर का अपडेट, आरसी में पता परिवर्तन, वाहन में परिवर्तन और किराया खरीद समझौते की समाप्ति शामिल है।

नमामि गंगे ने श्री अग्रसेन इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों को पढ़ाया पर्यावरण संरक्षण का पाठ

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में स्थित श्री अग्रसेन महाजनी महाविद्यालय इंटर कॉलेज, चौखम्भा में शनिवार को नमामि गंगे की ओर से आयोजित पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जल संरक्षण, गंगा स्वच्छता, सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव और अधिकतम पौधारोपण जैसे विषयों पर शिक्षाप्रद जानकारी दी गई । नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने विद्यार्थियों से वैश्विक समस्या ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण प्रदूषण, स्वच्छता , पौधारोपण और जल संरक्षण की आवश्यकता को लेकर चर्चा की। गंगा को स्वच्छ रखने और सिंगल यूज प्लास्टिक से बचने के लिए छात्रों को जागरूक किया। इस दौरान विद्यालय प्रांगण में औषधीय व पर्यावरणीय महत्व के पौधों का सामूहिक रूप से रोपण एवं वितरण किया गया। राजेश शुक्ला ने अपील किया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जल का सीमित मात्रा में उपयोग करें?। पॉलीथिन की जगह कपड़े के थैले का प्रयोग करें। अपने घरों के आस-पास स्वच्छता बनाए रखें और पेड़-पौधे लगाकर उनका परिवार के सदस्य की तरह पालन-पोषण करें। हर छात्र एक-एक पेड़ लगाकर भी उसका पालन करे तो लाखों पेड़ लगाए जा सकते प्रताप सिंह ,उप प्रधानाचार्य राम त्रिपाठी, विद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

तमन्ना भाटिया

ने इंटरनेट पर मचाया तहलका, इंडियन कुट्योर वीक के रैंप पर किया खास अंदाज से राज

तमन्ना भाटिया सच में सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेसेज़ में से एक हैं, जो हमेशा स्क्रीन पर और बाहर भी अपनी प्यारी अदा से सबका दिल जीतती रही हैं।

तमन्ना भाटिया सच में सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेसेज़ में से एक हैं, जो हमेशा स्क्रीन पर और बाहर भी अपनी प्यारी अदा से सबका दिल जीतती रही हैं। वो हर बार अपनी मौजूदगी से लोगों को हैरान कर देती हैं। इस बार भी उन्होंने इंडिया कुट्योर वीक 2025 में मशहूर डिज़ाइनर राहुल मिश्रा के लिए रैम्प पर चलकर सबकी नज़रें अपनी ओर खींच लीं हैं।

इंडिया कुट्योर वीक 2025 में तमन्ना भाटिया की चमकती हुई मौजूदगी ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने शो की ओपनिंग और क्लोजिंग दोनों के लिए अलग-अलग आउटफिट पहने। आमतौर पर एक ही शख्स ओपनिंग और क्लोज़िंग दोनों नहीं करता, लेकिन तमन्ना ने ये पहली बार किया है। शो की ओपनिंग में उन्होंने स्ट्रैपलेस, फूलों वाले रंग-बिरंगे चमकीले गाउन में रैम्प वॉक किया जबकि क्लोज़िंग में सफेद लहंगे में नजर आईं। कहना होगा कि राहुल मिश्रा के लिए रैम्प पर उतरते वक्त उनका लुक बेहद शानदार था।

रैम्प पर तमन्ना बिल्कुल किसी सपने जैसी लगीं। उनकी चमकती त्वचा, आत्मविश्वास से भरी चाल और नज़ाकत भरे हावभाव ने रैम्प पर एक अलग ही जादू बिखेरा। फूलों वाला गाउन उनकी एनर्जी को बखूबी दिखा रहा था, जबकि सफेद लहंगा उनके सलीके और शांति को उभार रहा था, जिससे वो किसी प्रेरणा की तरह लग रही थीं।

काम के मामले में तमन्ना अब अजय देवगन और संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ उनकी फिल्म ङ्क्1ङ्कठ की घोषणा हुई है, वहीं नो एंट्री 2 में उनकी एंट्री को लेकर भी चर्चा ज़ोरों पर है। ऐसा लगता है कि तमन्ना अपने फैंस के लिए भरपूर एंटरटेनमेंट लेकर आने वाली हैं।

फिल्में-OTT छोड़िए, अगस्त 2025 में ऑन एयर हो रहे 4 बड़े रियलिटी शोज, डेट-टाइम नोट कर लीजिए

साल 2025 की एक खास बात है. कि ये साल फैंस को बोर नहीं होने दे रहा है. इस साल बैक टू बैक एंटरटेनमेंट का डोज फैंस को मिल रहा है. कभी बॉक्स ऑफिस पर एक साथ कई फिल्में आ जा रही हैं. फिल्मों से ध्यान हट रहा है तो दर्शकों की फेवरेट सीरीज के नए सीन्जस स्ट्रीम होने शुरू हो जा रहे हैं. और अगर उससे भी जनता का मन भर जा रहा है तो फिर ऑन एयर होने के लिए कई रियलिटी शोज भी कतार में खड़े नजर आ रहे हैं.अभी जुलाई का महीना खत्म होने जा रहा है. इसके बाद अगस्त के महीने में बैक टू बैक कई रियलिटी शोज ऑन एयर होने के लिए तैयार हैं. इसमें से दो शो काफी पुराने हैं और सुपरहिट हैं. वहीं 2 नए शोज भी आपको देखने के लिए मिलेंगे. आइये जानते हैं कि इनकी डिटेलिंग क्या हैं और कब घर बैठे आप इन्हें टीवी पर या ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर देख सकते हैं.

सलमान खान- Bigg Boss 19

हर साल की तरह इस साल भी सलमान खान का शो दस्तक देने के लिए तैयार है. इस शो को करीब दो दशक हो चुका है और इस दौरान इसे जनता का भरपूर प्यार मिला है. सलमान खान का ये शो सुपरहिट है और जब भी ये आता है तो फैंस इस शो को किसी भी दिन मिस नहीं करते हैं. आमतौर पर तो ये शो 3 महीने तक चलता है लेकिन हर साल इसका टाइम स्पैन लंबा जाता है.

बिग बॉस 19 को लेकर जो रिपोर्ट्स आ रही हैं उसके मुताबिक इस बार ये शो साढ़े पांच महीना लंबा हो सकता है. वहीं शो में हर बार की तरह कुछ बदलाव भी किए जाएंगे. शो के इस सीजन का असली मकसद इसके पुराने सीजन्स की एसेंस को बरकरार रखना है जिसके लिए ये शो हमेशा से पसंद किया जाता रहा है.

ये शो कलर्स पर ऑन एयर होगा वहीं इसके अगर आप ओटीटी पर देखना चाहते हैं तो फिर जियो प्लस हॉटस्टार पर देख सकते हैं. अगर डेट की बात करें तो अभी फैंस के इस फेवरेट शो की डेट अनाउंस नहीं की गई है लेकिन जल्द ही इसका खुलासा भी किया जा सकता है. फिलहाल तो एक-एक कर कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आ रहे हैं जो बिग बॉस 19 में नजर आएंगे.

अमिताभ बच्चन- KBC 17

पिछले ढाई दशक से अमिताभ बच्चन का ये शो फैंस का चहेता बना हुआ है और निसंदेह ही ये शो देश का सबसे हिट रियलिटी शो है. इस शो के माध्यम से जनता को मनोरंजन के साथ ज्ञान भी मिलता है. करोड़ों देशवासी इस शो के इंतजार में रहते हैं और जब ये शो शुरू होता है तो आज भी लोग कुर्सियों से चिपककर बैठ जाते हैं.

ये किशोर कुमार कौन हैं? पहली मुलाकात में आलिया ने पूछा ऐसा सवाल, रणबीर के उड़ गए होश

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की जोड़ी आज के समय की सबसे चर्चित बॉलीवुड जोड़ियों में से एक है. दोनों कलाकार जब भी एक साथ नजर आते हैं तो अपने फैंस को कपल गोल देते हैं. रणबीर और आलिया शादी के बाद एक खुशहाल लाइफ जी रहे हैं. दोनों अब एक बेटी के पैरेंट्स भी बन चुके हैं. कपल ने शादी से पहले एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था. इसके बाद उनका रिश्ता शादी के मंडप तक पहुंचा था.आलिया भट्ट और रणबीर कपूर एक दूसरे पर फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' की शूटिंग के दौरान दिल हार बैठे थे. पिक्चर के सेट पर ही दोनों की नजदीकियां बढ़ने लगी थीं. लेकन, उनकी पहली मुलाकात बहुत पहले हो चुकी थी. तब आलिया ने रणबीर से एक ऐसा सवाल पूछ लिया था जिससे रणबीर हैरान रह गए थे.

रणबीर से पहली मुलाकात में आलिया ने क्या पूछा ?

साल 2024 में रणबीर ने आलिया से पहली मुलाकात के समय का एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया था. रणबीर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब मैं आलिया से पहली बार मिला था तो उसने पूछा था, किशोर कुमार कौन हैं ? ये सवाल सुनकर रणबीर हैरान रह गए थे. दिग्गज निर्देशक महेश भट्ट की बेटी होने और इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने के बावजूद आलिया हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन गायकों में से एक रहे किशोर कुमार को नहीं जानती थीं. रणबीर ने आगे कहा था, कलाकार भुला दिए जाते हैं. नए कलाकार आते हैं. इसलिए हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए.

2022 में की थी शादी

ब्रह्मास्त्र की शूटिंग के दौरान परवान चढ़ा इश्क समय के साथ बढ़ता गया. रणबीर और आलिया ने फिर एक दूसरे के साथ जीवन बिताने का फैसला कर लिया था. कपल ने अप्रैल 2022 में मुंबई में शादी रचा ली थी. वहीं इसी साल नवंबर में दोनों एक बेटी के पैरेंट्स बने. जिसे कपल ने राहा नाम दिया था.

अब इस फिल्म में नजर आएंगे दोनों

ब्रह्मास्त्र साल 2022 में आई थी जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के अलावा अमिताभ बच्च, नागार्जुन और मौनी रॉयने भी काम किया था. अब रणबीर और आलिया एक और फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं, जिसका नाम है 'लव एंड वॉर'. इसका हिस्सा विकी कौशल भी हैं.

राज घर पर क्या कर रहे हैं? कपिल शर्मा के इतना कहते ही

शिल्पा शेट्टी

बोलीं- मैं घर जा रही हूं

देश दुनिया में अपनी कॉमेडी से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा के कॉमेडी शो पर अब तक कई दिग्गज सितारे आ चुके हैं. फिल्मों के प्रमोशन के लिए उनके शो पर हर एपिसोड में कोई न कोई कलाकार नजर आ ही जाता है. कपिल अपने मेहमानों के साथ खूब हंसी मजाक करते हुए नजर आते हैं. इसके अलावा वो अन्य जगहों पर भी कॉमेडी करने और लोगों को हंसाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं.

कपिल शर्मा जहां भी जाते हैं वहां वो कुछ ऐसा भी बोल जाते हैं, जिससे लोग पेट पकड़ कर हंसने पर मजबूर हो जाते हैं. अपनी कॉमेडी के जरिए अक्सर ही कॉमेडियन सेलेब्स के भी मजे लेते रहते हैं और एक्ट्रेसेस के साथ भी फ्लर्ट करते हुए नजर आते हैं. एक बार कपिल ने एक इवेंट के दौरान मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा का भी मजाक उड़ा दिया था.

जब कपिल ने लिए शिल्पा-राज के मजे

एक इवेंट के दौरान कपिल शर्मा बातचीत करते हुए मंच से नीचे उतरकर शिल्पा शेट्टी के पास पहुंच गए थे. कपिल ने शिल्पा से बात की और उनके पति राज कुंद्रा के बारे में पूछा था. कपिल ने एक्ट्रेस से सवाल किया था, राज घर पर क्या कर रहे हैं ?इसका जवाब देते हुए शिल्पा ने कहा था, सो रहे हैं. फिर कपिल ने अपने चिर परिचित अंदाज में कुछ ऐसा कहा था जिस पर सभी हंसने लगे थे. कपिल ने कहा था, इतनी खूबसूरत पत्नी हो और आदमी घर पर अकेला सो रहा है. फिर शिल्पा ने कहा था, नहीं, मैं घर जा रही हूं.

2009 में हुई थी शिल्पा-राज की शादी

शिल्पा ने 2007 में ब्रिटिश रिएलिटी शो 'सेलेब्रिटी बिग ब्रदर' जीता था. इसके बाद यूके में ही उनके फैंस के लिए एक फैन मीट रखा गया था, जिसमें बतौर फैन राज भी उनसे मिलने पहुंचे थे. यहां दोनों की मुलाकात हुई. इसके बाद मुलाकातों का और बातों का दौर चलता रहा. फिर दोनों एक दूसरे के प्यार में पड़ गए. एक दूसरे के साथ अच्छा खासा वक्त बिताने के बाद राज और शिल्पा ने साल 2009 में धूमधाम से शादी रचा ली थी. इसके बाद कपल ने 2012 में बेटे वियान का वेलकम किया था. जबकि 2020 में दोनों सरोगेसी के जरिए बेटी समीशा के पैरेंट्स बने थे.

शैक्षणिक भ्रमण से लौटे विद्यार्थियों ने सांझा किए अपने अनुभव

दिव्य दिल्ली : विजय आजाद (सिरमौर)

हिमाचल प्रदेश समग्र शिक्षा निदेशालय द्वारा पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में नवी तथा दस जमा एक कक्षा में प्रथम आए विद्यार्थियों के लिए चंडीगढ़, दिल्ली तथा आगरा का पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया। 20 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित इस कार्यक्रम में पी एम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नौहराधार के एक छात्र अविरल चौहान तथा छात्रा गुंजन ने भाग लिया। भ्रमण से लौटने पर इन विद्यार्थियों ने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किया। अविरल तथा गुंजन ने कहा कि यह उनके लिए एक अभूतपूर्व अनुभव था जो सदैव उनको और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता रहेगा । दोनों विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों ने समग्र शिक्षा निदेशक डॉक्टर राकेश शर्मा तथा सभी एस्कॉर्ट शिक्षक शिक्षिकाओं का एक सुरक्षित एवं अत्यंत ज्ञानवर्धक कार्यक्रम हेतु आभार व्यक्त किया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हिमाचल प्रदेश विद्यालय प्रवक्ता संघ के राज्य चेयरमैन सुरेंद्र पुंडीर ने कहा कि यद्यपि समय की सीमा के कारण चंडीगढ़ के मुख्य पर्यटन स्थल तथा दिल्ली का ऐतिहासिक लाल किला जैसे कुछ अत्यंत प्रमुख स्थल इस टूर का हिस्सा नहीं बन पाए तथापि ग्रामीण परिवेश के इन विद्यार्थियों के लिए यह एक अनूठा अनुभव था तथा आशा की जानी चाहिए कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी।

शहीद स्मारक में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

दिव्य दिल्ली : समित कुमार (हमीरपुर)

कारगिल विजय दिवस पर हमीरपुर के शहीद स्मारक में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी एडीएम राकेश शर्मा ने की। इस अवसर पर कई पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। इस दौरान कारगिल युद्ध में शहीद हुए हमीरपुर में आठ जवानों की शहादत को नमन किया गया। कारगिल युद्ध में हिमाचल प्रदेश के 51 जवान शहीद हुए थे जिनमें आठ हमीरपुर से संबंध रखने वाले थे। उनकी शहादत को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर स्काड्रन लीडर मनोज कुमार, वाइस चेयरमैन पूर्व सैनिक निगम पीएस अत्री सहित अन्य उपस्थित रहे। शहीदों की शहादतों पर इन्होंने अपने विचार रखे। कहा कि सेना के जवान सरहदों पर तैनात होकर देश की रक्षा कर रहे हैं। कई युद्ध अब तक हो चुके हैं तथा वीर सपूतों ने भारत माता की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

न्यूज फ्लैश

इस साल दिल्ली में 1500 से ज्यादा तीज कार्यक्रमों का आयोजन - सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल

दिव्य दिल्ली

27 जुलाई को हरियाली तीज महोत्सव है और इसको लेकर दिल्ली भर में अच्छी खासी रौनक देखने को मिल रही है, महिलाएं मेहंदी, साड़ी सूट , चूड़ियां, ज्वेलरी, कॉस्मेटिक, गिफ्ट हैंपर आदि की खरीददारी कर रही हैं, दिल्ली सरकार ने भी 25 जुलाई से 27 जुलाई तक दिल्ली हाट पीतमपुरा में विशाल तीज महोत्सव आयोजित किया है, सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बयान जारी करके कहा कि इस बार दिल्ली में तीज महोत्सव की जबरदस्त धूम है, इस बार पिछले सालों की तुलना में तीज महोत्सवों की संख्या दुगनी हो गई है और इस साल दिल्ली में लगभग 1500 तीज कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, एक तीज कार्यक्रम में औसतन 50 स्टॉल लगे हों तो कुल 1500 कार्यक्रमों में 75000 स्टॉल लगे होने का अनुमान है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि तीज महोत्सव इकोनॉमी की दृष्टि से भी बहुत उपयोगी है क्योंकि जो महिलाएं कम पूंजी की वजह से दुकान आदि नहीं खोल सकती हैं वो इन कार्यक्रमों एवं मेलों में अपने उत्पादों के स्टॉल लगाती हैं जिससे कि उनको आर्थिक रूप से मदद मिलती है,सीटीआई के अनुसार तीज महोत्सव कार्यक्रमों से पोशाक, फूल , झूले, खोमचे,आर्केस्ट्रा, डीजे, पटके, मेहंदी, साड़ी सूट, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, मैजिक शो, साउंड, टैन्ट, एंकर, डांस ग्रुप आदि सेक्टर को विशेष कारोबार मिलता है

कारगिल विजय दिवस पर गगरेट में शहीदों को किया नमन

दिव्य दिल्ली : राम प्रकाश (ऊना)

26वें कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में गगरेट विधानसभा क्षेत्र में शहीद सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा ने सर्वप्रथम 'ऑपरेशन विजय' में वीरगति को प्राप्त हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और युगपुरुष पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी को कृतज्ञता सहित नमन किया।कार्यक्रम के दौरान शर्मा ने गगरेट विधानसभा क्षेत्र के शहीदों, पूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को घर घर जाकर सम्मानित किया। चैतन्य शर्मा ने अपनी टीम सहित अभयपुर गांव के स्वतंत्रता सेनानी माधो राम के परिवार, कुनेरन के कारगिल युद्ध के वीर सैनिक जगवीर सिंह, गणु मदवाड़ा के शहीद अमरीक सिंह के परिवार, दौलतपुर चौक के शहीद अजय ठाकुर के परिवार तथा गगरेट के स्वतंत्रता सेनानी किशन चंद के परिवार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि देश की रक्षा और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीरों का सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति की भावना को जागृत किया जा सकता है।कार्यक्रम में स्थानीय लोग, युवाओं, समाजसेवियों व गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया और शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर गगरेट मण्डल अध्यक्ष नितिन ठाकुर, दौलतपुर मंडल अध्यक्ष अजय ठाकुर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष राजीव राजू, महामंत्री अतुल शर्मा, विकास डडवाल, प्रिन्स सुधेरा, प्रिंन्स जसवाल, भाजपा नेता प्रदीप शर्मा, अनुज शर्मा व बूथ अध्यक्ष मौजूद रहे।

एक पीढ़ी ने बसाए और तीसरी पीढ़ी ने उजाड़ दिए गरीब दलित

सभी गरीब परिवार अपने छोटे-छोटे बच्चों तथा सामान के साथ सड़कों पर आ गए

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

नगरोटा सूरियां के साथ लगती पंचायत बासा के चार गरीब महां दलित अनुसूचित परिवारोंको एक परिवार द्वारा पिछले लगभग 80 वर्षों से अधिक समय से बसीकू के रूप में बसाया गया था लेकिन शुक्रवार को करीब चार पीढ़ी बाद इस परिवार के एक सदस्य अशोक कुमार ने जमीन पर न्यायालय में केस जीतने के बाद उन परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाकर जमीन दोज कर दिया और सभी गरीब परिवार अपने छोटे-छोटे बच्चों तथा सामान के साथ सड़कों पर आ गए इस पंचायत के जैसी राम, बृजलाल धर्मसिंह मैहदो राम इस परिवार की अगली पीढ़ी कई वर्षों से अपने कच्चे मकान में रह रहे थे और सभी लोग बहुत गरीब थे तथा मेहनत मजदूरी करके अपना पालन पोषण कर रहे थे इन परिवारो के नाम जमीन का कब्जा तो लग गया था लेकिन मलिकाना हक इनका नहीं था जिस व्यक्ति का मालिकाना हक था उसने न्यायालय में केस लड़ा और माननीय अदालत से उसके हक में फैसला आया और फैसले के बाद प्रशासन ने उनके घर ऑन पर बुलडोजर चलाकर कच्चे घरों को जमीन दोज कर दिया, लेकिन यह गरीब लोग उसे जमीन पर रह रहे थे, यह यह वर्षों से उन्हीं के घरों में काम करते थे तथा अब भी कुछ लोग उनके घरों में काम करते है लेकिन जमीन के मलिक ने उनकी एक नहीं सुनी और पुलिस तथा तहसीलदार के साथ कोर्ट केआदशों सहित उनके घरों पर बुलडोजर चला कर जमीन पर कब्जा ले लिया , इन सभी गरीब परिवार के घरों पर बिजली के कनेक्शन पानी के कनेक्शन राशनकार्ड आधारकार्ड बोनाफाइड के अलावा सरकार द्वारा जो आईआरडीपी या गरीब परिवारों को सहायता दी जाती है पंचायत द्वारा दी जाती है मिल चुकी है आई आर डीपी ई के तहत पी एम ऐ वई के तहत पक्के मकान बनाने के लिए सहायता राशि भी मिली हुई है, यदि इन लोगोंकी भूमि अपनी नहीं थी तो बिजली के मीटर पंचायत द्वारा जो इन गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए तथा पानी के कनेक्शन कैसे लगाए गए जबकि इनकी तीन चार पीडिया यहां बरसों से रह रही थी इन गरीब परिवारोंके मकान गिरने से पहले बिजली के कनेक्शन पानी के कनेक्शन भी विभाग द्वारा कोर्ट के आदेशों से काट दिए गए थे जब इनके मकान गिराए जा रहे थे तो यह पूरे परिवार रो-रोकर मौके पर आए अधिकारियों सरकार तथा जमीन के मालिक से गुहार लगा रहे थे लेकिन उनकी कोई सुनने वाला नहीं थी एक महिला तो मानसिक तौर से परेशान हो गई थी एक महिला प्रेग्नेंट थी छोटे-छोटे बच्चे इन गरीब परिवारों के थे जो अपने घरों को टूटता हुआ देख रहे थे सड़क पर ग्राउंड जमीन पर इन परिवारों के घरों सामान खुले आसमान मे पढ़ा हुआ था पड़ोसियों ने तो इनकी मदद जरूर की लेकिन इन गरीब परिवारों लोगों के पास घर का इतना सामान था उसे रखा कहां जाए मौके पर पंचायत प्रधान तथा और बहुत से लोग उनके टूटते हुए घरों को देख रहे थे लेकिन कोई मदद नहीं कर पा रहा था गरीब लोग मीडिया से भी फरियाद लग रहा लेकिन जमीन के मालिक किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे सभी लोगों का यही कहना था कि हम न्यायालय के आदेशों के आगे कुछ नहीं बोल सकते हैं उधर इन कुछ लोगों को जमीन के पटटे भी मिले हुए थे लेकिन गरीबों के कारण यह लोग वहां पर मकान नहीं बना पा रहे थे जबकि कुछ लोगों से पता चला की उनके बुजुर्गों ने अपनी उस भूमि को बेच दिया था था, उधर शुक्रवार को सुबह से ही प्रशासन पूरे दलवल के साथ जेसीबी लेकर कोर्ट के आदेशों के अनु पालना इसकरने के लिए वहां पर खड़ा रह था और यह गरीब परिवार पूरा दिन भर अपने घर में रखा हुआ सामान बाहर निकलते रहे जनता इन गरीब परिवारों की कोई मदद नहीं कर पाई इन गरीब परिवारों ने बताया कि मैं सभी फरियाद को लेकर मंत्री महोदय तथा पंचायतके पास भी गए लेकिन किसी ने उनकी बात नहीं सुनी है इन गरीब परिवारों ने सरकार तथा प्रशासन से मांग की है कि हमें रहने के लिए मकान दिया जाए नहीं तो हम गरीब परिवारों को मार दिया जाए क्योंकि हम लोग कहां जाएगे जोरदार बारिश होने से इन गरीब परिवारोंका रखाहुआ सामान भी खराबहो गया है क्योंकि बरसात के समय यह लोग कहां जाएं कोई किराए पर मकान भी नहीं दे रहा है इन गरीब परिवारोंके मौके पर कुछ रिश्तेदार भी पहुंच गए हैं

पांवटा साहिब में याद किया कारगिल शहीद, वीर नारियां सम्मानित

दिव्य दिल्ली : विजय आजाद (सिरमौर)

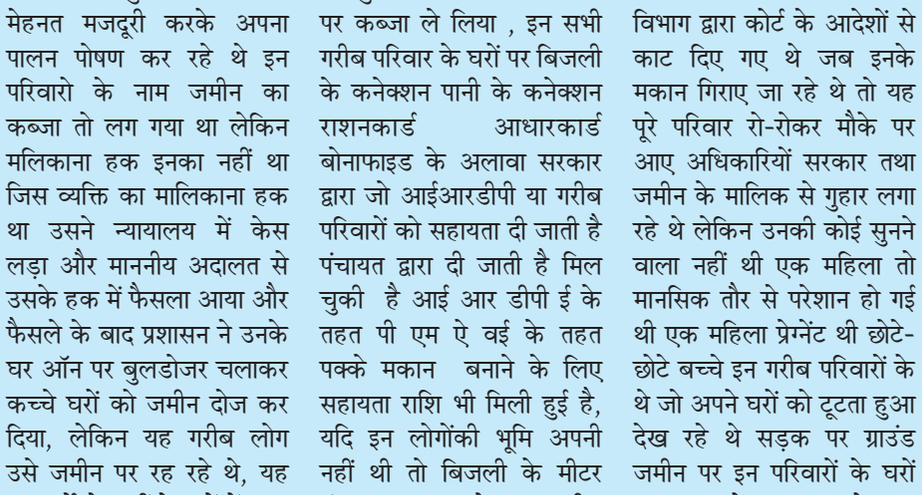

26वें कारगिल विजय दिवस पर समूचे देश में कारगिल शहीदों को याद किया। इस अवसर पर पांवटा साहिब में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हुए वीर सपूतों को शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही शहीदों के बलिदान को याद करते हुए क्षेत्र की वीर नारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पांवटा साहिब के विधायक सुखराम चौधरी नगर परिषद अध्यक्ष निर्मल कौर सहित सैंकड़ों पूर्व सैनिक शामिल हुए।

वीर बलिदानियों की धरती पावटा साहिब में कारगिल शहीदों के बलिदान को याद करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों सहित स्थानीय विधायक, नगर परिषद अध्यक्ष, और बीडीसी अध्यक्ष ने स्कूली बच्चों और कार्यकताओं सहित कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सैनिकों और स्कूली बच्चों ने वीर बलिदानियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस अवसर पर क्षेत्र की वीर नारियों के सम्मान को कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक सुखराम चौधरी ने वीर नारियों को स्मृति चिन्ह और शाल भेंट कर सम्मान प्रदान किया और वीर सैनिकों के बलिदान नमन किया। इस अवसर पर सुखराम चौधरी ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि वीर सैनिकों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिकों ने बेहद विपरीत परिस्थितियों में पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था और कारगिल को उनके कब्जे से मुक्त कराया था। कारगिल विजय भारतीय सैनिकों की वीरता और अदम्य साहस का अनोखा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों ने न सिर्फ कारगिल चौटी को मुक्त कराया था बल्कि देश और तिरंगे का सम्मान बढ़ाया था। यही कारण है कि आज समूचा देश कारगिल शहीदों को याद कर रहा है।

डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही से इलाज करने का आरोप

दिव्य दिल्ली : समित कुमार (हमीरपुर)

हमीरपुर शहर के पक्का भरो में निजी अस्पताल में प्रसूता की उपचार के दौरान मौत होने के परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। महिला की पहचान चमनेड़ की लता देवी के रूप में हुई है। चमनेड़ की नौ माह की गर्भवती लता देवी को सुबह पेट में दर्द हुआ। इसके चलते हुए अपने पति के साथ चेकअप के लिए अस्पताल यहां लाया गया। चिकित्सक ने जब महिला को चौक किया गया तो गर्भ में पल रहे बच्चे की हार्टबीट कम बताई गई। वह चिकित्सकों ने ऑपरेशन किया तो महिला की मौत हो गई है। महिला की मौत की सूचना परिजनों ने सुनी तो उन्होंने चिकित्सकों पर लापरवाही से इलाज करने का आरोप लगाया। दोपहर से ही मौत के बाद से अस्पताल में तनावपूर्ण माहौल हो गया। परिजनों ने प्रशासन से न्याय की मांग की है। वही मौके पर एएसपी राजेश शर्मा, एसडीएम संजीत सिंह, एचएचओ यादेश व पुलिस मौके पर पहुंची और तनावपूर्ण माहौल से निपटने के प्रयास में जुट गया। पुलिस ने परिजनों की बातों को सुना और उन्हें आश्वस्त किया है कि नियमों के मुताबिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी वहीं मृतक महिला के मायक किन्नौर में है और आज सुबह ही किन्नौर से भी तीन गाड़ियों में परिजन हमीरपुर पहुंचे जिन्होंने भी अस्पताल प्रबंधन पर तरह तरह के आरोप लगाए है और आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।मृतिका महिला के पति ने बताया कि सुबह के समय गर्भवती महिला को चैकअप के लिए अस्पताल लाए थे लेकिन चिकित्सकों ने बच्चे की हार्टबीट कम होने के चलते एडमिट करने के लिए कहा और थोड़ी देर में ऑपरेशन के लिए बोल दिया । उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ घंटे के बाद ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत हो गई लेकिन बच्चा ठीक है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पताल के डॉक्टरों की गलती की वजह से पत्नी की मौत हुई है।वहीं मृतक के देवर ने अस्पताल प्रबंधन पर जमकर गुस्सा निकालते हुए अस्पताल के डॉक्टरों को महिला की मौत के लिए दोषी करार देते हुए कडी कार्रवाई करने की मांग की। हालांकि किन्नौर से आए हुए परिजनों ने मीडिया के सामने कोई भी बात करने से मनाही कर दी तो पुलिस प्रशासन भी बाइट देने बचता नजर आया है।

बेटे के नशे से तंग आकर मां ने निगला जहर, मौत

दिव्य दिल्ली : करुनीत रंधावा (पठानकोट)

नशे की लत ने एक और परिवार को तबाह कर दिया है। बेटे को नशे की लत थी और घर में परेशान करता था जिससे दुखी देख माँ ने खाने में जहर डाल कर निगल लिया और मौत को गले लगा लिया। पुलिस ने बेटे के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य में बह रही नशे की छठी नदी को रोकने के लिए पुलिस भले ही अथक प्रयास कर रही हो, लेकिन उसके बावजूद नशा तस्कर अपना काम बदस्तूर जारी रखे हुए हैं। जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हर दिन कई परिवार इस नशे का शिकार हो रहे हैं और ऐसा ही एक मामला पठानकोट में देखने को मिला जहां एक माँ ने इसलिए अपनी जान ले ली क्योंकि उसका बेटा नशाखोर गिरोह में फंसा हुआ था और अक्सर घर पर पैसे मांगता था और पैसे न देने पर खुद को जान देने की धमकी देता था और इस रोज-रोज की हरकत से तंग आकर इस 60 वर्षीय महिला मंजीत कौर पत्नी सुरिंदर पाल सिंह निवासी बैंक कॉलोनी पठानकोट ने जहर निगल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

इस संबंध में मृतका के पति सुरिंदर पाल सिंह द्वारा पुलिस को दिया बयान में बताया कि उनका बेटा नशे का आदी है, जिसके चलते वह अक्सर पैसों के लिए घर पर झगड़ा करता रहता था, जिससे तंग आकर उसकी पत्नी ने जहर निगल कर खुद को खत्म कर लिया है। पुलिस ने मृतका के पति के बयानों को दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही प्रदेश सरकार: डॉ. धनीराम शांडिल

दिव्य दिल्ली : शशि भूषण (नगरोटा)

प्रदेश सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल (डॉ.) धनीराम शांडिल ने आज शुक्रवार को नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र के बड़ोह में 6 करोड़ 33 लाख रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अतिरिक्त भवन का उद्घाटन करने के उपरांत कही। स्वास्थ्य केंद्र अतिरिक्त भवन बनने से क्षेत्र की 14 पंचायतों के लगभग 22 हजार लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। इस केंद्र में लगभग 30 बिस्तरों की सुविधा उपलब्ध होगी, साथ ही प्रसव कक्ष (लेबर रूम) की सुविधा भी सुनिश्चित की गई है, जिससे गर्भवती महिलाओं को समय पर और बेहतर चिकित्सा सेवा मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस अतिरिक्त भवन के बनने से अब बड़ोह क्षेत्र के नागरिकों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और अन्य आधारभूत संरचनाओं में निरंतर निवेश कर रही है ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि शिक्षा क्षेत्र में लिए गए सुधारात्मक कदमों के चलते हिमाचल प्रदेश एनएएस-2025 सर्वेक्षण में देशभर में पांचवें स्थान पर पहुंचा है, जो प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार के स्पष्ट परिणाम शीघ्र सामने आएंगे

वीरता और बलिदान को समर्पित एक भावपूर्ण क्षण- गौरव कुमार

दिव्य दिल्ली : राम प्रकाश (ऊना)

कारगिल विजय दिवस पर युवा नेता व सामाजिक कार्यकर्ता गौरव कुमार ने 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए भारत माता के वीर सपूत कैप्टन अमोल कालिया के पिता से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। यह भेंट केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से एक विनम्र कृतज्ञता थी झ उस परिवार के लिए जिसने अपने बेटे को मातृभूमि की रक्षा में समर्पित कर दिया।

कैप्टन अमोल कालिया, जो 12 जम्मू एंड कश्मीर लाइट इन्फेंट्री के वीर अधिकारी थे, टोलोलिंग की पहाड़ियों पर शत्रु से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनका नाम भारतीय सैन्य इतिहास में एक ऐसी मिसाल के रूप में दर्ज है, जिसकी गूंज आज भी देशभक्ति के हर भाव में महसूस की जा सकती है। गौरव कुमार ने इस भावनात्मक क्षण के दौरान कहा कि यह देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने शहीदों और उनके परिवारों को न केवल याद रखे, बल्कि उनका आदर और साथ भी निभाए। उन्होंने कहा कि अमोल कालिया जी जैसे योद्धाओं के कारण ही आज हम सभी अपने घरों में सुरक्षित हैं, और यही कारण है कि उनके परिवार के साथ खड़ा होना केवल सम्मान नहीं, जिम्मेदारी भी है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज को चाहिए कि वह आने वाली पीढ़ियों को ऐसे शहीदों की गाथाएं सुनाएं ताकि देशभक्ति सिर्फ किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि हर दिल में जिंदा रहे

बिना वर्दी के स्कूल के स्टाफ और बच्चों को स्कूल में आना मना है

दिव्य दिल्ली : रंजीत लाहौली (लाहौल)

बिना वर्दी के स्कूल के स्टाफ और बच्चों को स्कूल में आना मना है । इस स्कूल में हाजरी सुबह 9.00 बजे और शाम को 6.00 बजे छुट्टी होती है। जनजातीय जिला लाहौल के घाटी में पहली बार ऐसा स्कूल में सुबह के परेड देखकर हर कोई हैरान रह गया है । अगर हम बात करेंगे तो लाहौल के पट्टन घाटी / शकोली की । इस स्कूल में सुबह के परेड में लेजियम के साथ करते हैं। जो भारत के तमिलनाडु राज्य का एक पारम्परिक सामूहिक नृत्य है और यह सामूहिक नृत्य है । और इस में संगीत लयबद्ध गति और मार्शल आर्ट के तत्व में शामिल है।

लाहौल घाटी के सरकारी स्कूल में पहली बार ऐसा सुबह के परेड देखने को मिल रहा है । बच्चों के अभिभावकों का कहना है कि हमें खुशी है कि हमारे बच्चे ऐसे स्कूल में पढ़ते है। जहां स्कूल में अध्यापक , बच्चों को एक दोस्त की तरह पढ़ते हैं और समझाते हैं । इस स्कूल में 77 छात्र छात्राएं है । इस स्कूल की पढ़ाई और अध्यापकों की अनुशासन देखकर दूसरे स्कूल के बच्चे इस स्कूल में दाखिला लेने के लिए उतावले हो रहे हैं। लेकिन इस स्कूल की तारीफ लाहौल स्पीति के हर कोई व्यक्ति करता है। लाहौल स्पीति के लोगों का कहना है कि हर स्कूल में इस तरह के सुबह के परेड होना चाहिए ।हर साल 95% परीक्षा परिणाम आता है । लाहौल स्पीति के उपायुक्त ने भी ऐसे स्कूल को तारीफ की। साथ में एसडीएम उदयपुर अलिशा चौहान ने कहा कि हर स्कूल में इस तरह के वर्दी व सुबह के परेड होना चाहिए

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397